PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 267 ● भिलाई, सोमवार 04 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में तेज हवाओं के साथ होगी ओलावृष्टि

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम के हुए परिवर्तन के चलते रविवार सुबह 40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज आंधी के साथ वर्षा का दौर भी शुरू हो गया। सुबह से ही राजधानी शिमला सहित राज्य के कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। जबकि ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ है। धर्मशाला में ओलावृष्टि हुई है। बिलासपुर में 44 किलोमीटर की रफ्तार से तेज आंधी चली। वर्षा और आंधी के कारण सेब सहित अन्य फलों और फलदार पौधों को नुकसान हुआ है, जबकि गेहूं को भी कई स्थानों पर नुकसान हुआ है। तेज हवाओं के कारण कई जगह घरों की छतों के भी उड़ने की सूचना है। रविवार को दोपहर के समय एक बार फिर से कुछ देर के लिए तेज बारिश के साथ कई स्थानों पर ओलावृष्टि भी देखने को मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 4 मई को चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू और शिमला सहित सोलन और सिरमौर में 40 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 5 मई को चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू और शिमला में तेज हवाओं और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मई में होगी सामान्य से अधिक बारिश, हीटवेव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। मई महीने की शुरूआत हो चुकी है। यह महीना अपनी भीषण गर्मी और लू के लिए जाना जाता है, लेकिन इस साल मई का महीना असामान्य रूप से गीला होने वाला है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि पूरे देश में मई 2026 में सामान्य से अधिक बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार इस महीने बारिश सामान्य से 110 फीसदी अधिक रहने वाली है। इसके साथ गरज के साथ बादल, बिजली गिराना और तेज हवाएं भी चलेंगी जिनकी रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में बाढ़ का भी खतरा है। भारतीय मौसम विभाग के डेटा के अनुसार मई महीने में आमतौर पर उत्तर भारत और पूरे देश में 64.1 मिलीमीटर बारिश होती है। इस साल का पूर्वानुमान यह है कि बारिश सामान्य से 110 फीसदी अधिक हो सकती है। मई महीने में होने वाली यह बारिश असामान्य इसलिए भी क्योंकि इस महीने आमतौर पर भीषण गर्मी पड़ती है, लू चलती है। लेकिन इस बार यह पैटर्न बदलने जा रहा है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी; समझौता करो या तबाही को तैयार रहो

तेहरान। ईरान और अमरीका के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है और हालात फिर से बिगड़ सकते हैं। अब अमरीका ने सीधे तौर पर तेहरान को धमकी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफकर दिया कि वह ईरान के वर्तमान रुख से बिलकुल भी संतुष्ट नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनके सामने स्पष्ट विकल्प हैं- ईरान या तो बातचीत से समाधान निकाले या फिर भारी बल प्रयोग के जरिए पूरी तरह तबाह होने को तैयार रहे।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री पहुंचे चंदागढ़-बरगद की छांव में सजी जनचौपाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने लखपति दीदी श्रीमती सुमिला कोरवा और श्रीमती पुष्पलता चौहान से आत्मीय संवाद किया

और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने जाना कि महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया। कलावती चौहान ने बताया कि गांव में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है, जिस पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया।

गोद में उठाया, चश्मा पहनाया, भैंसामुड़ा में दिखा मुख्यमंत्री का आत्मीय रूप

सुशासन तिहार के दौरान जशपुर जिले के ग्राम भैंसामुड़ा में एक ऐसा आत्मीय और भावुक क्षण सामने आया, जिसने वहां मौजूद प्रत्येक व्यक्ति के मन को गहराई से छू लिया और पूरे वातावरण को संवेदनाओं से भर दिया। यह दृश्य उस मानवीय स्पर्श का जीवंत उदाहरण बन गया, जहां शासन और संवेदना एक साथ दिखाई देते हैं। सुशासन तिहार के दौरान जैसे ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नजर 4 वर्षीय नन्ही बच्ची मानविका चौहान पर पड़ी, वे सहज भाव से उसके पास पहुंच गए। उनके इस स्वाभाविक और अनायास कदम ने पूरे माहौल को एक अलग ही अपनत्व के वातावरण में बदल दिया मुख्यमंत्री श्री साय ने स्नेहपूर्वक बच्ची को अपनी गोद में उठाया और मुस्कुराते हुए उससे आत्मीय संवाद करने लगे। उनके चेहरे पर झलकता स्नेह और व्यवहार की सरलता इस बात को दर्शा रही थी कि सच्चा नेतृत्व वही होता है।

विजयन ने बायो से हटाया सीएम

काउंटिंग से पहले ही केरल में कांग्रेस की जीत पक्की!

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। मतगणना से ठीक पहले राजनीतिक माहौल और भी दिलचस्प हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपनी बायो अपडेट कर दी है, जिसे राजनीतिक हलकों में बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है।खबरों के मुताबिक, वोटों की गिनती से पहले प्रोफाइल में किया गया ये बदलाव महज एक औपचारिक अपडेट नहीं है, बल्कि इसे चुनावी नतीजों को लेकर एक रणनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे वक्त पर सोशल मीडिया बायो बदलना जनता और समर्थकों के बीच एक प्रतीकात्मक संदेश देने के तौर पर भी देखा जा रहा है। केरल की सियासत में इस समय हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर सबकी नजर है।

होर्मुज से निकला भारत का 'सर्व शक्ति'

ईरान की नाकेबंदी के बीच 45000 टन एलपीजी लेकर आ रहा विशाखापत्तनम

नई दिल्ली। मीडिल ईस्ट में जारी भारी तनाव के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारत से जुड़ा एलपीजी टैंकर सर्व शक्ति ने सुरक्षित तरीके से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर लिया है। वर्तमान समय में इस समुद्री मार्ग पर जहाजों का आना-जाना लगभग बंद हो गया है। ऐसे मुश्किल समय में भारत के जहाज का यहां से सुरक्षित निकल जाना एक बड़ी कामयाबी है। सर्व शक्ति टैंकर मार्शल आइलैंड्स के झंडे के साथ अपनी यात्रा कर रहा है। मरीन ट्रैफिक के आंकड़ों के अनुसार, यह 18 भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर भारत की ओर बढ़ रहा है। यह कार्गो इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के लिए 45,000 टन रसोई गैसलेकर आ रहा है, जिसे विशाखापत्तनम के गैस स्टेशन पर उतारा जाएगा। ईरान-अमेरिका के बीच तनाव के कारण होर्मुज पूरा तरह से बंद हो गया है। जिसकी वजह से वहां सैकड़ों जहाज फंसे हुए हैं। वहीं सर्व शक्ति ने ईरान द्वारा निर्धारित विशेष समुद्री मार्ग का पालन करते हुए लारक और केश्म द्वीपों के पास से निकला है। हमले के डर से जहाज बार-बार रेडियो पर संदेश भेज रहा है कि इस पर भारतीय क्रू सवार है ताकि युद्ध जैसे माहौल में इसे कोई नुकसान न पहुंचाए। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल

आयातक होने के कारण भारत वर्तमान में गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। मीडिल ईस्ट से सप्लाई बाधित होने के चलते देश के कई हिस्सों में एलपीजी की भारी कमी देखी गई है। जिससे गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें और सीमित आपूर्ति जैसी परेशानियां पैदा हो गई हैं। इस संकट को देखते हुए भारत सरकार ने फरवरी से ही गैस लाने वाले जहाजों को सुरक्षित निकालने पर खास ध्यान दे रही है। वहीं, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि भारत ने घरेलू उत्पादन को 60% तक बढ़ा दिया है ताकि गैस में रुकावट आने पर भी देश में सप्लाई न रुके। यह कामयाबी इसलिए बड़ी है क्योंकि अप्रैल में ईरान की सेना ने यहां जहाजों पर गोलियां चलाई थीं, जिससे रास्ता लगभग बंद हो गया था। लेकिन भारत ने ईरान सरकार से सीधी बात करके अपने 8 गैस जहाजों को निकालने का रास्ता साफ किया है सर्व शक्ति का सुरक्षित निकलना इसी बातचीत का नतीजा है।

संदीप पाठक के घर पहुंची पंजाब पुलिस

पीछे वाले दरवाजे से भागे सांसद संदीप पाठक सामने आया वीडियो

नई दिल्ली/ एजेंसी

24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। उन्हीं में से एक सांसद संदीप पाठक के ऊपर दो एफआईआर दर्ज की गई। अब पंजाब पुलिस उनको गिरफ्तार करने दिल्ली वाले आवास आई थी। हाल ही में संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी छोड़ी है। पाठक के साथ 6 और लोगों ने भाजपा जॉइन की। इसके ठीक एक हफ्ते बाद पंजाब पुलिस संदीप पाठक के खिलाफ एक एफआईआर लिखती है और उनको गिरफ्तार करने के लिए उनके दिल्ली वाले आवास पर पहुंच जाती है। दो

एफआईआर के बाद आज पंजाब पुलिस संदीप पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली स्थित उनके आवास पर आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि इनके बारे में अभी कोई और विवरण सामने नहीं आया है। इस बीच संदीप पाठक का एक वीडियो सामने आ रहा है। संदीप पाठक को उनके आवास के पीछे वाले दरवाजे से बाहर निकलते दिख रहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। सांसद संदीप पाठक एफआईआर की खबरों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है और न ही किसी पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पूरी जिंदगी ईमानदारी और निष्ठा के साथ देश की सेवा की है। देश किसी भी पार्टी से बड़ा है। मैं कभी इसे धोखा नहीं दूंगा और न किसी को देने दूंगा। अगर मेरे जैसे व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है।

अमेरिका की जर्मनी में तैनात अपनी सेना हटाने का फैसला लिया

बर्लिन। अमेरिका की जर्मनी में तैनात अपनी सेना हटाने का फैसला ले लिया है। तमाम अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने शनिवार को इसकी वजह के साथ फैसले की सूचना दी। ईरान को लेकर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी के बाद ट्रांस-अटलांटिक संबंधों में तनाव बढ़ा और सैन्य वापसी का ऐलान कर दिया गया। सवाल उठता है कि आखिर जर्मनी को क्यों जरूरत है अमेरिकी सेना की, क्या है इसका इतिहास? जर्मनी में अमेरिकी सेना की मौजूदगी की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के समय, 1945 में हुई थी। जब नाजी शासन ने सरेंडर किया, तब देश में 16 लाख अमेरिकी सैनिक थे।

ममता को सता रहा डर!

काउंटिंग एजेंटों से कहा-किसी भी कीमत पर ना छोड़ें मैदान....

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों से पहले सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। एग्जिट पोल्स भले ही बंगाल में बीजेपी की जीत का दावा कर रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जोश कम नहीं हुआ है। मतगणना से पहले ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों और काउंटिंग एजेंटों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने साफतौर पर '200 पार' का दावा कर जीत का शंखनाद कर दिया है। ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए साफ कहा कि उनकी मेहनत रंग लाई है और

उन्होंने जीत का आंकड़ा और बड़ा होने की बात कही है। ममता बनर्जी ने यह भी कहा क मतगणना सेंटर पर डटें रहें, चाहें रात के 2 ही क्यों न बज जाए। मीटिंग की शुरुआत में ममता बनर्जी ने जीत का दावा किया। उन्होंने कहा, टीएमसी एक बार फिर भारी बहुमत के साथ सरकार बना रही है और पार्टी इस बार भी 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि उन्होंने बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी हैं और ये लड़ाई भी उनके ही पक्ष में खत्म हो रही है। ममता बनर्जी ने साफ कर दिया कि पार्टी का आंतरिक आंकलन एग्जिट पोल के नतीजों से उलट और सकारात्मक है। ममता बनर्जी ने सभी काउंटिंग एजेंटों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि काउंटिंग वाले दिन किसी भी कीमत पर मैदान ना छोड़ें। उन्होंने सबको निर्देश दिया कि कार्यकर्ता तब तक काउंटिंग सेंटर पर डटे रहें।

दिल्ली के शहादरा में बड़ा हादसा

घर में लगा एसी फटा, 9 लोगों की दर्दनाक मौत, कई लोग झुलसे

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के शहादरा इलाके के एक घर में एसी फट जाने से आग लग गई। इस आग में झुलसकर 9 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को करीब 4 बजे मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में एसी फट जाने से भयावह आग लग गई। चार मंजिला इमारम में आग के तांडव ने लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। गर्मी में राहत देने वाले एसी ने पूरे इलाके में दहशत मचा दी। आग लगने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर टेंडर की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। हादसे में नौ लोगों की जान चली गई। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे सूचना मिलते ही दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। अन्य पीड़ितों की तलाश के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। मीना ने कहा, विवेक विहार स्थित एक चार मंजिला इमारत के एक घर में आग लग गई, जिसमें दूसरी मंजिल पर हताहत हुए। अब तक 3-4 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी शवों की तलाश जारी है। हम अभी भी खोजबीन कर रहे हैं। तलाशी पूरी होने पर हम आपको सूचित कर देंगे। मीना ने आगे बताया, सुबह तड़के हमें आग लगने की सूचना मिली। दमकल गाड़ियां मौके पर

पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। यहां से 3-4 शव बरामद किए गए हैं। हम अभी भी खोजबीन कर रहे हैं। हमें सुबह करीब 4 बजे सूचना मिली थी। आपको बता दें कि आग ने पहली मंजिल को छोड़कर बाकी सभी मंजिलों को चपेट में ले लिया था। बताया जा रहा है कि 10 से 15 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। उनको भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके के नगर पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि सूचना मिलते ही वो मौके पर पहुंचे। ऊपर जाकर देखने पर उन्होंने पाया कि दूसरे फ्लोर पर 6 शव और सबसे ऊपर सीढ़ियों पर तीन शव दिखाई दिए। लूथरा की मानें तो शवों की पहचान करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शव का हाल ऐसा है कि बिना डीएनए किए शवों की शिनाख्त भी नहीं हो पाएगी। बताया जा रहा है कि इस चार मंजिला इमारत में आठ फ्लैट थे। इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिलें आग की वजह से पूरी तरह से जल गईं। इनमें रहने वाले सभी लोग या तो गंभीर रूप से झुलस गए या फिर उनकी मौत हो गई। हादसे में अब तक 9 लोगों के मरने की खबर सामने आ रही है जबकि एक दर्जन लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

कंकाल बने शव पहचान भी मुश्किल

मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो इस अग्निकांड में सब कुछ तबाह हो गया। इसकी भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जान गंवाने वाले सभी लोग पहचान में भी नहीं आ रहे हैं। उनके शवों में सिर्फ कंकाल ही बचा रह गया है। इलाके के नगर पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि जब ऊपर जाकर देखा गया तो उन्होंने पाया कि दूसरे फ्लोर पर 6 शव और सबसे ऊपर सीढ़ियों पर तीन शव पड़े हैं। लूथरा ने कहा कि शवों की पहचान करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शवों के हाल ऐसे हैं कि बिना डीएनए किए शवों की शिनाख्त भी नहीं हो सकती। जानकारी सामने आ रही है कि सभी 9 लोगों ने खुद को बचाने की भरसक कोशिश की। शव बेड पर ऐसे जला पाया गया, मानो बिस्तर ही चिता बन गया हो। कोई सीढ़ियों से छत पर जाकर जान बचाने की कोशिश करते समय आग की चपेट में आ गया।

प्रधान पाठक अयोध्या सेवानिवृत्त, विदाई समारोह आयोजित

भंवरपुर। शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय साल्हेताई के प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने उनकी सेवाओं को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। कार्यक्रम में भावुक माहौल देखने को मिला। समारोह को संबोधित करते हुए संकुल के शिक्षकों ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते। उन्होंने कहा कि सेवाकाल में शिक्षक बच्चों को शिक्षित करते है और सेवानिवृत्ति के बाद अपने अनुभवों से समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्र का प्रहरी और समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि भावी पीढ़ी के निर्माण में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। ग्रामीण जन प्रतिनिधियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्य और व्यवहार अन्य शिक्षकों व छात्रों के लिए प्रेरणा है। साथ ही ग्रामीण जनों ने कहा कि प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा ने अपने सेवाकाल में केवल पढ़ाई तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि छात्रों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया।

विद्यालय और छात्रों से सदैव रहेगा रिश्ता

सेवा निवृत्त प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा ने कहा कि विद्यालय परिवार, सहकर्मियों और छात्रों के साथ बिताए पलों को याद किया और कहा कि यह सफर उनके जीवन की सबसे खूबसूरत यादों में शामिल रहेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि सेवानिवृत्ति नौकरी की एक औपचारिक प्रक्रिया है, लेकिन विद्यालय और छात्रों से उनका रिश्ता हमेशा बना रहेगा। उन्होंने सभी के स्नेह और सहयोग के लिए आभार जताया।

शाल श्रीफल और बुके भेंट कर किया सम्मान

कार्यक्रम के अंत में संकुल के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के द्वारा अयोध्या प्रसाद मिश्रा को श्रीफल, शॉल, अंगवस्त्र और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके साथ ही माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में मौजूद लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की। प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा का विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह संपन्न होने की पश्चात ग्राम साल्हेताई में 11 बजे गाजे बाजे तथा कीर्तन मण्डली के साथ रैली निकाली गई। रैली के दौरान ग्रामीणों द्वारा घर-घर आरती उतार कर भेंट एवं स्वागत किया गया।

विदाई समारोह में उमड़ा जनसैलाब

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमलनयन प्रधान सरपंच प्रतिनिधि, रामलाल मलिक शाला विकास समिति अध्यक्ष हाई स्कूल, परमानंद पंडा समिति अध्यक्ष शासकीय उच्च प्राथमिक शाला साल्हेताई, वरिष्ठ नागरिक दिलीप मिश्रा, पूर्व जनपद सदस्य जयप्रकाश मिश्रा, महेश दीप खुर्से पहार, ग्राम साल्हेताई से दिलोचन प्रधान, फूलसाय बांक, शिवलाल पटेल, हाई स्कूल प्राचार्य महेश साव, हितेश मिश्रा व्याख्याता, जयबंधु ताण्डी, छात्र कुमार राणा समन्वयक, सत्येंद्र कुमार पाल व्याख्याता, सहित गणमान्य नागरिकों में बृजमोहन बांक, आनंद कुमार, नारायण बांक, नीरा ठाकुर प्रधान पाठक साल्हेताई, खीर कुमारी पटेल, शैक्षिक लिलेश्वर साहू व्याख्याता, कामायनी पांडा प्रधान पाठक प्राथमिक शाला, डालीम बुडेक, वीरेंद्र साहू मैरीपुर राधेश्याम साहू, देवनारायण साहू, गुरमुख सिंह सोन, बेलुपर पटेल, बुद्धदेव चौधरी, हरित चौधरी धनश्याम पटेल, मिथिलेश सिन्हा, मोती यादव, द्रौपदी साहू, ममता पटेल, सुमित्रा बंजारा, फणेंद्र पटेल, पंकज बांक, कुमारी लीली, किरण साहू, भाग्यश्री साहू के साथ ही साथ विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं काफी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जिले में धरोहर वृक्ष गणना अभियान की शुरुआत

पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी पर जोर

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत धरोहर वृक्ष गणना अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान 1 मई से 15 जून तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत पीपल, बरगद सहित अन्य दीर्घायु एवं पारिस्थितिक दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों को चिन्हित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ये वृक्ष न केवल जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय की आस्था, परंपरा एवं सामाजिक पहचान से भी जुड़े होते हैं। ऐसे वृक्षों का व्यवस्थित अभिलेखीकरण कर भविष्य में उनके संरक्षण हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं प्रकृति प्रेमियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने आसपास स्थित ऐसे वृक्षों की पहचान करें, उनका जियो-टैग्ड फोटो लें, स्थान अंकित करें तथा निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से जानकारी साझा करें। क्यू आर कोड के माध्यम से भी यह प्रक्रिया सरलतापूर्वक पूरी की जा सकती है। इस अभियान के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह समझ विकसित की जाएगी कि क्षेत्र में कौन-कौन से वृक्ष स्थानीय स्तर पर विशेष महत्व रखते हैं तथा वे पारिस्थितिकी संतुलन एवं जैव विविधता में किस प्रकार योगदान दे रहे हैं। इससे भविष्य में संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन से संबंधित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि धरोहर वृक्ष केवल पेड़ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और पर्यावरण की पहचान हैं। इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की सहभागिता से इन महत्वपूर्ण वृक्षों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक भागीदारी करते हुए इस पहल को सफल बनाने का आग्रह किया।

भीषण गर्मी में गरियाबंद के गांवों को राहत, एक सप्ताह नहर से मिलेगा पानी

गरियाबंद। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और ग्रामीणों की मांग को देखते हुए। जल संसाधन विभाग ने निस्तारी के लिए पानी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि 15 अप्रैल को सिकासार जलाशय से जल प्रवाह बंद कर दिया गया था। इस पर राजिम विधायक रोहित साहू से चर्चा के बाद विभाग ने पुनः पानी छोड़ने का फैसला लिया। 1 मई 2026 से एक सप्ताह के लिए फिंगेश्वर वितरक शाखा नहर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे ग्राम बेलर, बोड़की, जोगीडिपा और पतोरी घोघरा के ग्रामीणों को राहत मिलेगी। कुछ तालाबों को खेतों के रास्ते पानी पहुंचाकर भरा जाएगा। उन्होंने कहा है कि यदि इस दौरान खेतों में पानी जाने से किसी फसल को नुकसान होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत की होगी, न कि जल संसाधन विभाग की। साथ ही ग्रामीणों और किसानों से पानी का उपयोग सही से करने की अपील की है।

पं. बंशराज तिवारी की स्मृति मे 6 मई को 20वां नि:शुल्क रोग निदान शिविर

पं. बंशराज तिवारी जी

बलौदाबाजार। जिला मुख्यालय मे स्थित चंदा देवी तिवारी हास्पिटल मे बलौदाबाजार के पूर्व विधायक (1977-80) अधिवक्ता एवं समाजसेवी स्व. पं. बंशराज तिवारी की स्मृति मे उनकी जन्मजयंती पर लगातार 20 वर्षो से निःशुल्क रोग निदान शिविर का आयोजन उनके पुत्र डा. प्रमोद तिवारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमे अभी तक हजारों मरीज लाभान्वित हो चुके हैं इस एक दिवसीय शिविर मे सामान्य मरीजों की जांच स्त्रीरोग नेत्ररोग दंतरोग अस्थिरोग उदररोग श्वसन रोग रक्त चाप मधुमेह की जांच के साथ ही हाइड्रोसिल हार्निया बवासिर के मरीजों का आपरेशन एवं आवश्यकतानुसार सभी मरीजों का खून जांच एक्सरे सोनोग्राफी ईसीजी दवा वितरण निःशुल्क किया जाता है एवं गंभीर मरीजों को भी उचित सलाह एवं संभावित उपचार प्रदान किया जाता है जिसमे उनके पुत्र डा. नितिन तिवारी पुत्रवधु डा. गीतिकाशंकर तिवारी पुत्री डा. सुकृति तिवारी के अलावा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक भी अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। इस वर्ष भी 6 मई बुधवार प्रातः 10 बजे से संध्या 5 बजे तक भव्य निःशुल्क शिविर आयोजित है जिसमे मरीजों का पंजीयन प्रारंभ हो चुका है अतः सभी जरूरतमंद मरीज अधिक से अधिक संख्या मे इस पुण्य अवसर का लाभ उठावें।

श्रम दिवस पर योगेश फाउंडेशन द्वारा माताएं, बहने हुई सम्मानित

धमतरी। अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर समाज के उत्थान एवं राष्ट्र के विकास में सशक्त भूमिका निभाने वाली माताओं एवं बहनों का योगेश फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा पैर धोकर, तिलक लगाकर, श्रीफल भेंट कर एक अनोखा मिसाल पेश किया गया। मजदूर दिवस के अवसर पर उन्हें यह सम्मानजनक उपहार देकर समाज सेविका अंकिता रत्नेश मिश्रा ने यह संदेश दिया है कि विकास केवल योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें संवेदना और समानता भी झलकनी चाहिए। उनका मानना है कि गांव और राष्ट्र के निर्माण में सबसे बड़ा योगदान मजदूर वर्ग का होता है। लेकिन अक्सर उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पाता जिसके वे हकदार हैं। ऐसे में यह पहल उनके आत्म सम्मान को बढ़ाने और उन्हें जीवन का एक यादगार अनुभव देने का प्रयास है। यह पहल न केवल अनोखी है बल्कि समाज के अन्तिम पंक्ति में खड़े लोगों को सम्मान देने की सशक्त मिसाल भी है। उपस्थित मातृ शक्ति द्वय रमा देवी दीवान, शशि देवी दीवान ने कहा कि घर में आने वाली दीदी लोगों की सहायता से हमारा काम आसान हो जाता हैं और हम घरों में आराम कर पाते है। श्रमिक और महिला मजदूर समाज की व्यवस्था की रीढ़ है उनके परिश्रम और समर्पण से ही समाज का विकास संभव हो पाता हैं। इस अवसर पर नगर के प्रबुद्ध लोगों ने श्रमिक माताओं, बहनों के सम्मान में कहा कि समाज में वास्तविक सम्मान के हकदार यदि कोई व्यक्तित्व है तो वह सबसे निचले पंक्ति में खड़े होकर अपने माथे से टपकती हुई पसीने के श्रम को समाज के उत्थान तथा बुनियादी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए लगाते हैं। उपस्थितजनों द्वारा हीरा बाई राजपूत, शकुन यादव, सीता निषाद, पार्वती यादव, सरिता ध्रुवंशी को सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर योगेश फाउंडेशन के संचालिका एवं समाजसेवी अंकिता रत्नेश मिश्रा, रमा दीवान, शशी दीवान, रत्नावली मिश्रा, सुरेखा राजपूत, कौशल मिश्रा, पवन गिरी गोस्वामी, भूपेंद्र मिश्रा, राजेश यादव, लखन सिन्हा, अशोक साहू उपस्थित रहे।

सीमेंट प्लांट एवं वृहद उद्योगों में किया गया सेफ्टी ड्रिल

कमियों को दूर करने व सुरक्षा उपाय का कड़ाई से पालन करने पर जोर

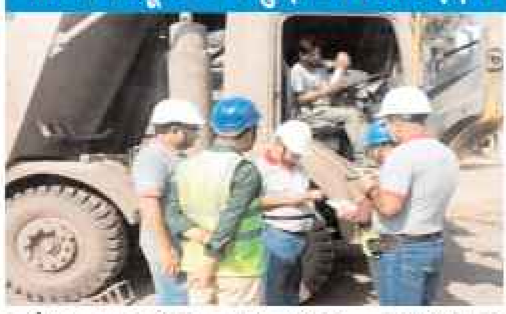

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले में स्थित सभी सीमेंट प्लांट एवं अन्य बड़े उद्योगो में को सेफ्टी ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान कोई दुर्घटना न हो इसके लिये कमियों को दूर करने व सुरक्षा उपाय का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया गया। सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दिशा शुक्ला ने बताया कि सयंत्रो में सेफ्टी ड्रिल किया गया। इस दौरान समस्त कारखाने के अधिकारी और कर्मचारियों कि समिति द्वारा सम्पूर्ण कार्यस्थलों का सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण कर जानकारी में आई कमियो को दूर किया गया। कारखानें में असुरक्षित स्थिति से बचाव हेतु कारखाने के फायर टीम, बचाव टीम, मेडिकल टीम व अन्य द्वारा भागीदारी करते हुये सुरक्षा अभ्यास किया गया।इसमें दुर्घटना को रोकने हेतु दल द्वारा सुरक्षा उपकरणों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुये सुरक्षित कार्यपद्धति के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्रमिकों को श्रमिक दिवस पर बधाई एवं शुभकामना के साथ सेफ्टी ड्रिल कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

मां दंतेश्वरी स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

धमतरी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित किया गया जिसमें माँ दन्तेश्वरी हाईस्कूल रत्नाबांधा विद्यालय से कक्षा दसवीं से छात्रा कु. दिप्ती देवांगन पिता खोमनलाल देवांगन 80.16 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान पर कु. रोहिणी वर्मा पिता स्व.कोमल वर्मा 72.66 प्रतिशत एवं तृतीया स्थान पर अनुराग नाग पिता प्रमोद नाग 69.16 प्रतिशत प्राप्त किये। सभी शिक्षक स्टाफ ने बच्चो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य लीला साहू, वर्षा देवांगन, मोहन साहू, पूर्वी सोनकर, वीणा साहू, दुर्गा देवांगन, सोनाली रजक, रूपा यादव, ज्योति रामटेके, फाल्गुनी ढीमर, प्रियंका यादव, छाया तिवारी, काजल यादव, प्रवेश चांडक, भुखिन ध्रुव सहित पालकगण उपस्थित थे। माँ दन्तेश्वरी हाईस्कूल रत्नाबांधा धमतरी में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। हिन्दी माध्यम में कक्षा केजी 1 से प्रथम स्थान पर डीया देवांगन 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर काव्या सागरवंशी, केजी 2 से प्रथम स्थान धनेश्वर वर्मा 98.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर मोक्ष नगारची, कक्षा पहली से प्रथम स्थान पर कु. साक्षी मीनपाल 98 प्रतिशत एवं द्वितीय स्थान पर युवराज साहू 97.33 प्रतिशत, कक्षा दूसरी से प्रथम स्थान पर विभा चक्रधारी 97.33 प्रतिशत, द्वितीय अकांक्षा साहू 96 प्रतिशत, कक्षा तीसरी से प्रथम स्थान झरना देवांगन 95.33 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर यादिती साहू 92.86 प्रतिशत, कक्षा चौथी से प्रथम स्थान पर सेजल ढीमर 96.3 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर चन्द्रप्रकाश सतनामी 95.6 प्रतिशत, कक्षा 6 वीं से प्रथम स्थान पर कुमकुम ध्रुव 92.08 प्रतिशत, द्वितीय स्थान परिधि तिवारी 80.2 प्रतिशत, कक्षा 7 वीं से प्रथम स्थान पर प्रवीण ध्रुव, द्वितीय स्थान पर वेनिश कुमार सेन, कक्षा 9वीं से प्रथम स्थान पर कु. साक्षी साहू 90.11 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर कु. साक्षी देवांगन 86.68 प्रतिशत रही। अंग्रेजी मीडियम में कक्षा नर्सरी से प्रथम स्थान पर कु. काल्यानी वर्मा 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर कु. पूर्वी टंडन, कक्षा केजी 1 से प्रथम स्थान पर कु. नित्या देवांगन 99.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर धनेश्वर साहू 98.5 प्रतिशत, केजी 2 से प्रथम स्थान पर सोमप्रकाश यादव 97.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर युहान महिलांगे 92 प्रतिशत रहा। विद्यालय में अध्यनरत् सभी छात्र एवं छात्राएं उत्तीर्ण हुए। विद्यालय की प्राचार्य लीला साहू ने बच्चो को विद्यालय परिवार की ओर से उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर अभ्यास और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। आगे बढ़ने के लिए हमेशा जुनून बनाए रखना होता है तभी आप आगे बढ़ सकते है। इस अवसर पर मोहन साहू, वीणा साहू, वर्षा देवांगन, पूर्वी सोनकर, सोनाली रजक, दुर्गा देवांगन, प्रियंका यादव, रूपा यादव, ज्योति रामटेके, फाल्गुनी ढीमर, छाया तिवारी, काजल यादव, प्रवेश चांडक, भुखिन ध्रुव सहित सभी पालकगण उपस्थित थे।

जिले में जनगणना कार्य शुरू, घर-घर पहुंच रहे प्रगणक

जिले में 2 हजार से अधिक कर्मी जनगणना में जुटे, डिजिटल मोड में हो रही जनगणना

बलौदाबाजार। राष्ट्रीय जनगणना कार्य की शुरुआत बलौदाबाजार-भाटापारा जिला में हो गया। जनगणना के प्रथम चरण में हाउस लिस्टिंग का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रगणक घर-घर पहुंचकर परिवारों से निर्धारित जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। यह कार्य पूरे मई माह तक संचालित किया जाएगा। जनगणना कार्य के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा।जनगणना कार्यक्रम के तहत प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल एप का उपयोग कर डिजिटल डाटा संग्रह करेंगे। साथ ही लोगों द्वारा पोर्टल पर स्व-गणना के तहत भरी गई जानकारी का सत्यापन भी करेंगे। दोनों तरह से प्राप्त डाटा की बहुस्तरीय जाँच होगी। पहले यह कार्य पर्यवेक्षकों द्वारा किया जायेगा। साथ ही चार्ज अधिकारी भी मैदान में जाकर पुनः सत्यापन कर त्रुटियां ठीक करायेंगे। मकान सूचीकरण व गणना के लिये जिले में 1861 प्रगणक व मॉनिटरिंग के लिए 309 सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई है। तहसीलदार व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को चार्ज अधिकारी बनाया गया है।जिले में 9 तहसील व 8 नगरीय निकाय हैं।इस तरह जिले में कुल 17 चार्ज बनाए गए हैं।मकान सूचीकरण व गणना के लिये प्रत्येक चार्ज को हाउसलिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में विभाजित किया गया है जिसमें एक एचएलबी में 150 से 180 मकान संख्या रखा गया है। 17 चार्ज में कुल 1978 एचएलबी बनाए गए हैं। प्रत्येक प्रगणक को एक या 2 एचएलबी गणणा हेतु आवंटित किया गया है।

बोरई नाका विवाद: थाना प्रभारी के साथ अमर्यादित व्यवहार से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी

धमतरी। निचले क्रम के अधिकारियों को दिये गये निर्देश का पालन करना प्रत्येक विभाग में पदस्थ कर्मचारियों का परम कर्तव्य होता है। जब ऐसे कर्मी अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं तो उसका पालन सभी को करना लाजिमी होता है। लेकिन कभी-कभी ऐसी घटना घट जाती है जिसके चलते अधिकारियों को कर्तव्य निर्वहन कर रहे कर्मचारियों की बात नहीं मानने पर हस्तक्षेप करना पड़ता है। ऐसी ही घटना पिछले दिनों बोरई चेकपोस्ट पर घटित हुई जहां अपने वरिष्ठ अधिकारी के आदेश का पालन करने हेतु एक आरक्षक को प्रत्येक वाहन की चेकिंग के लिये थाने के बाहर नियुक्त किया था। यह सर्वविदित तथ्य है कि वाहन चालकों को प्रत्येक चेकपोस्ट या सड़क पर खड़े आरक्षक को देखकर वाहन रोकने का निर्देश मिलने पर चालक को वाहन रोकना था। लेकिन उक्त वाहन चालक ने आरक्षक के ईशारे को नजरअंदाज करते हुए बिना वाहन रोके अपने वाहन को वहां से बाजार पहुंचा दिया। इस घटना से व्यथित वहां पदस्थ थाना प्रभारी ने जब चालक की नादिरशाही देखी तो वे स्वयं वाहन से उक्त बाजार पहुंचकर वाहन चालक से पूछताछ की कि आप वाहन को कैसे नहीं रोके? इस पर उक्त वाहन चालक की हिम्मत देखिये कि उसने न सिर्फ उनके सवाल का ठीक से जवाब दिया बल्कि उन्हें तेरी वर्दी उतरवा दूंगा.. बोलकर अभद्र व्यवहार किया जिसकी क्षेत्र में जबरदस्त चर्चा है। वहीं कुछ लोग इसे राजनीतिक रंग देने में भी जुटे हुए हैं। कुछ प्रत्यक्षदर्शी एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन कर रहे पुलिस कर्मियों के साथ अमर्यादित व्यवहार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न जुटाए। विश्वसनीय सूत्रानुसार पता चला है कि जिले के पुलिस कप्तान ने घटना के एक दिन पहले ही बोरई सहित पूर्व में नक्सल प्रभावित थानों का निरीक्षण कर वहां पदस्थ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बोरई जांच नाका से गुजरने वाले प्रत्येक वाहनों की बारिकी से तलाशी ली जाये ताकि अवैध कामों में संलिप्त लोग पुलिस शिकंजे में आने से बच न पाये। उड़ीसा बॉर्डर से लगे होने के कारण यह क्षेत्र गांजा, शराब, गौ तस्करी, धान तस्करी के लिये काफी चर्चित रहा है। यही कारण है कि पुलिस महकमे के लिये यह क्षेत्र काफी संवेदनशील है। पुलिस कप्तान ने इस क्षेत्र में तैनात विभागीय लोगों को तस्करी की अनेक ऐसी वस्तु जो नियम विरूद्ध हो, उसे जप्ती करने के साथ साथ उस पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। चेकिंग चालान के चलते अनेक ऐसे अवैध कार्यों का पर्दाफाश हुआ है जिससे यह क्षेत्र और चर्चित हो चुका है। इसे देखते हुए ही ऐसे तस्करों और जरायमपेश लोगों पर नकेल कसने के उद्देश्य से ही जिले के वरिष्ठ अधिकारी ने वहां बैरियर लगाने का आदेश दिया। इसके साथ ही वहां से निकलने वाली प्रत्येक वाहनों के साथ साथ संदिग्ध किस्म के व्यक्तियों की खोज खबर ली जाते आ रही है। इसी के चलते पिछले दिनों एक वाहन जिस पर मुर्गा-मुर्गी भरी हुई थी, उसे भी वहां पदस्थ आरक्षक द्वारा रोका गया। लेकिन वाहन चालक ने आरक्षक के वाहन रोकने के ईशारे पर भी वाहन नहीं रोका जिसे वहां बैठे थाना प्रभारी ने चालक की गैर जिम्मेदाराना हरकत को देखा और जैसे ही उक्त वाहन वहां से बिना रूके रवाना हुई, वैसे ही थाना प्रभारी ने वाहन से उक्त मुर्गा भरी वाहन का पीछा किया और वहां लगे बाजार में वाहन चालक को पकड़ा। उस चालक से यह पूछने पर कि आपने आरक्षक के ईशारे पर अपनी वाहन क्यों नहीं रोकी? तो इसका जवाब देने के बजाय उस चालक ने बड़ी दिलेरी से बाजार में उपस्थित सभी के सामने थाना प्रभारी को अपमानित किया और वर्दी उतरवाने की धमकी दी जिससे थाना प्रभारी नाराज हुए और एक थप्पड़ संबंधित वाहन चालक को जड़ दिया। इसके बाद से इस घटना को लेकर आरोप-प्रत्यारोप दौर शुरू हो गया है। वाहन चालक जहां पुलिस पर वसूली करने का आरोप लगा रहा है वहीं थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह का कहना है कि अधिकारी के निर्देशों पर अपने मातहतों के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था। बोरई चौकी से जितने भी वाहनों का आना-जाना होता है, सभी वाहनों की चेकिंग करने का निर्देश हमें मिला है जिसका प्रमुख कारण बोरई, छत्तीसगढ़ का बॉर्डर है। यहां से अक्सर गांजा, धान, गौ तस्करी होने की सूचना हमें मुखबिरों के माध्यम से मिलते रहती है और अभी तक अनेक ऐसे मामले प्रकाश में आ चुकी है जिनमें विधिवत कार्यवाही भी हुई है। इसी तारतम्य में वहां प्रतिदिन एक टीम लगाई जाती है जिसकी जिम्मेदारी वाहनों की चेकिंग करना होता है।

शुक्रवार को भी प्रतिदिन की भांति वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी बीच एक वाहन जिसमें मुर्गा भरा हुआ बताया जाता है, उसे रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन वाहन चालक ने अपने वाहन को नहीं रोका और सीधे बाजार ले गया। इस घटना को वहां बैठे अनेक लोगों ने भी देखा। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने प्रतिनिधि को बताया कि उक्त वाहन चालक वाहन न रोकने का कारण पूछे जाने पर उल्टा पुलिस अधिकारियों से ही बदतमीजी करने लगा और वर्दी उतरवाकर निलंबन की धमकी भी दे डाला जिससे नाराज थाना प्रभारी ने उक्त वाहन चालक को एक थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तरह तरह की चर्चा हो रही है। कुछ लोग वाहन चालक के पक्ष में खड़े हो रहे हैं तो कुछ लोगों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में भी पुलिस के जवान अपनी ईमानदारी से ड्यूटी कर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस के जवान वाहन रोकते हैं तो अपनी वाहन रोकना चाहिये और वाहन जांच करवाने में अपना सहयोग देना चाहिये। ये प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बोरई जांच नाका में हुई घटना को लेकर दोनों पक्ष के समर्थक आमने-सामने आ गये हैं। लेकिन पुलिस अधिकारी के साथ जिस तरह चालक ने अमर्यादित व्यवहार किया है, उसे लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

धमतरी में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, दो माह का मासूम हुआ मां से वंचित

रायपुर। एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक नवविवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है। मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम मुजगहन का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान गणेश्वरी नेताम के रूप में हुई है, जिनका विवाह लगभग पांच वर्ष पूर्व हुआ था। करीब दो माह पहले ही उन्होंने ऑपरेशन के माध्यम से एक बच्चे को जन्म दिया था। परिजनों का कहना है कि प्रसव के बाद से ही उनकी तबीयत लगातार खराब बनी हुई थी, जिसके चलते वह मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगी थीं। इसी दौरान उन्होंने यह गंभीर कदम उठा लिया। घटना के बाद परिवार और गांव में गहरा दुख व्याप्त है। नवजात शिशु अब मां के स्नेह से वंचित हो गया है। सूचना मिलने पर अर्जुनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

रायपुर में नशे के खिलाफबड़ी कार्रवाई, हेरोइन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 18 ग्राम हेरोइन, एक थार वाहन और चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 11 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल को सूचना प्राप्त हुई थी कि अमलीडीह स्थित स्टार वैली स्कूल के पास एक काले रंग की थार में सवार कुछ लोग मादक पदार्थ की बिक्री की तैयारी में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वाहन की घेराबंदी कर रोका और उसमें सवार तीनों युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने नाम प्रतीक सिंह, खालिद खान और दीपक कोसरिया बताए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में न्यू राजेंद्र नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) और 29 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर इस अवैध नेटवर्क के अन्य कड़ियों की तलाश में जुटी है और पूरे मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी की हत्या कर लाश को दिया करंट, ऐसे हुआ खुलासा

रायपुर। सनसनीखेज मामला सामने आया है. बलौदा में एक पति ने दूसरी महिला से अफेयर के चलते अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर करंट लगने से मौत होने की साजिश रची. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मामला जिले के बलौदा थाना क्षेत्र का है. वारदात 28-29 अप्रैल की रात है. मृतका की पहचान ललिता मिरी के रूप में हुई है. आरोपी कोई और नहीं ललिता मिरी का पति महेंद्र कुमार मिरी है. महेंद्र कुमार मिरी ने गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी और फिर बाथरूम में बाल्टी में इमर्शन रॉड चालू करके लाश को उसके पास रखा दिया. जानकारी के मुताबिक़, महेंद्र कुमार मिरी का किसी और महिला से अफेयर चल रहा था. इसी बात को लेकर पति पत्नी दोनों के बीच आयदिन विवाद होता रहता था. घटना वाले दिन भी देर रात दोनों के बीच झगड़ा हुआ था. जिसके बाद पति ने गुस्से में पत्नी की गला दबा कर जान लेली. किसी को शक न हो इसलिए इसे एक हादसा दिखाने की कोशिश की. बाथरूम में बाल्टी में पानी भरकर इमर्शन रॉड चालू करके लाश को उसके पास रखा दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गयी. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पहले तो आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की. लेकिन बार बार पूछताछ करने पर उसने अपना गुनाह कुबूल किया. पुलिस ने आरोपी महेंद्र कुमार मिरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

पैर दर्द से मासूम की मौत, जिला अस्पताल में नहीं हुआ ठीक से ईलाज

रायपुर। जिला अस्पताल से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पैर में मामूली दर्द पर अस्पताल पहुंचा तीन साल के मासूम लक्ष्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। स्वजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल अधीक्षक को शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कर इलाज में लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई की मांग की है। खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम चरौदा निवासी मृतक के पिता सतवन बांधे ने कहा कि पुत्र लक्ष्य के पैर में दर्द पर उसे 28 अप्रैल की सुबह जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जीवनदीप समिति के कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि

बरसात के पहले एटीआर क्षेत्र के गांवों में लगाएं मेगा स्वास्थ्य शिविर-अरुण साव...

- उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोरमी के 50 बिस्तर अस्पताल में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर/ संवाददाता

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोरमी स्थित 50 बिस्तर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल में आज जीवन दीप समिति की साधारण समिति की बैठक उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक से पहले उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने यहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई की व्यवस्था एवं गार्डन की हरियाली की सराहना की। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में एजेंडावार चर्चा करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जीवन दीप समिति के कर्मचारियों के मानदेय में पांच वर्ष पूर्ण होने पर प्रतिमाह 2000 रुपये वृद्धि की स्वीकृति दी गई। साथ ही अस्पताल के सोलर सिस्टम की मरम्मत, बैटरी बदलने एवं जनरेटर सुधार के लिए डीएमएफ मद से प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर मुंगेली को भेजने के निर्देश दिए गए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अस्पताल में नए पेइंग वार्ड के निर्माण के लिए अपने विधायक मद से 20 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। वहीं डीएमएफ मद से शव वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी स्वास्थ्य विभाग को दिए। निर्माणाधीन ब्लड बैंक एवं इंटीग्रेटेड लैब को शीघ्र पूर्ण करने तथा 50 बिस्तर अस्पताल को 100 बिस्तर में उन्नत करने के लिए अतिरिक्त भवन स्वीकृति हेतु शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। इसके लिए सहकारिता विभाग के पुराने गोदाम की भूमि स्वास्थ्य विभाग को आबंटित करने की प्रक्रिया तेज करने कहा गया। बरसात से पूर्व एटीआर क्षेत्र के गांवों में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, खुड़िया बांध के पार स्थित गांवों के लिए बोट एम्बुलेंस प्रस्ताव तैयार करने तथा अस्पताल की सुरक्षा के लिए रात्रि में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने और दो सुरक्षा गार्ड रखने की स्वीकृति दी बैठक में दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अस्पताल से अनावश्यक रिफरल केस को कम करने पर भी जोर देते हुए मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। लोरमी एसडीएम श्री अजीत पुजारी और डीपीएम श्री गिरीश कुर्रे सहित जीवन दीप समिति के सदस्य और विभागीय अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता सरकार की मजबूत कड़ी, योजनाओं के क्रियान्वयन में निभाते हैं अहम भूमिका

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज लोरमी के मानस मंच में आयोजित प्रदेश स्तरीय शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता एवं संचालक संघ के सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में उन्होंने संघ को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी व प्रभावी बनाने का श्रेय दिया। साथ ही उनकी 6 मांगों पर गंभीरता से चर्चा का आश्वासन दिया। उन्होंने संघ के सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली आम जनता के जीवन से सीधे जुड़ी हुई व्यवस्था है।

बस्तर की पद्मा के घर लौटी रोशनी

- साय सरकार की बिजली बिल समाधान योजना बनी सहारा

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जन-कल्याणकारी नीतियां अब धरातल पर बदलाव का पर्याय बनती जा रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 उन निर्धन परिवारों के लिए एक बड़ा संबल बनकर उभरी है, जो भारी भरकम बिजली बिल के कारण अंधकार में रहने को मजबूर थे। बस्तर जिले के ग्राम बालेंगा की रहने वाली पद्मा कश्यप की कहानी इस योजना की सफलता और संवेदनशीलता का जीता-जागता उदाहरण है। पद्मा का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। अपने माता-पिता को खो देने के बाद वह घर में अकेली रह गई थीं। सीमित संसाधनों और आय का कोई ठोस जरिया न होने के कारण उनके घर का बिजली बिल धीरे-धीरे बढ़कर 9,000 रुपये तक जा पहुँचा था। एक अनाथ बेटी के लिए इतनी बड़ी राशि का भुगतान करना लगभग असंभव था, जिससे घर की बिजली कटने का डर और अंधेरे का साया उनके भविष्य पर मंडराने लगा था। ऐसे कठिन समय में प्रदेश सरकार की बिजली बिल भुगतान समाधान योजना उनके लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई। इस योजना के अंतर्गत पद्मा को उनके बकाया बिल पर 4,000 रुपये की बड़ी राहत प्रदान की गई, जिससे उनकी आर्थिक चिंता काफी हद तक कम हो गई। इस सहायता ने न केवल उनके घर को फिर से रोशन किया, बल्कि उन्हें सामाजिक सुरक्षा का अहसास भी कराया। अपनी खुशी जाहिर करते हुए पद्मा कहती हैं कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस मानवीय निर्णय ने उनके जैसे कई जरूरतमंदों को सहारा दिया है। आज वह इस योजना की बदौलत अपना बकाया बिल चुकाने में सक्षम हो पाई हैं, जिसके लिए वह मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

जिले मातृत्व सुविधाओं में हो रहा निरंतर इजाफा........

- उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की समय पर पहचान से मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान से महिलाओं को मिल रहा सुरक्षित प्रसव का भरोसा

रायपुर। संवाददाता

जिले में मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। केंद्र व राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभाव से अब जिले में लगभग 99 प्रतिशत प्रसव संस्थागत रूप से शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में हो रहे हैं। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिली है। जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसव कराने पर 1400 रुपये तथा शहरी क्षेत्र की महिलाओं को 1000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। वहीं, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क प्रसव, एम्बुलेंस, दवाइयां, ब्लड ट्रांसफ्यूजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे प्रसव के समय बैंक खाता विवरण, सोनोग्राफी रिपोर्ट और अन्य चिकित्सकीय दस्तावेज साथ लेकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे। जिले में प्रत्येक माह की 09 एवं 24 तारीख को चिन्हांकित स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया जाता है।

लखनपुर में बिलासपुर नेशनल हाईवे- 130, राजपुरीकला स्थित 'सदर साहू पेट्रोलियम' का शुक्रवार को छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया।

हर जिले से पहुँचे श्रमिक व कार्यकर्ता

कांग्रेस श्रमिकों के सम्मान के लिए सदैव समर्पित-दीपक बैज

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राजधानी के शहीद स्मारक परिसर में 'श्रमिक सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का गौरवशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष 'दीपक बैज' शामिल हुए।'श्रमिकों के हित में कांग्रेस का संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान का रहा है। उन्होंने प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा 'भो सिद्दीक ने इस प्रकोष्ठ को कांग्रेस के मुख्य मोर्चा संगठनों के समकक्ष ला खड़ा किया है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अवाज बुलंद करने के दिशा निर्देश दिए ! कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू , पूर्व विधायक गुलाब कमरों, पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष पंकज शर्मा, संयुक्त महासचिव शारिक रईस खान, प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जीवराखन साहू और रेशम लाल अजय ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एकजुट होकर श्रमिकों की समस्याओं के निवारण हेतु जमीनी स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया।

महिला आरक्षण बिल पर सियासी घमासान,रायपुर में भाजपा महिला मोर्चा की मशाल रैली

रायपुर। महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजधानी रायपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए मशाल रैली निकाली। इस दौरान सैकड़ों महिला कार्यकर्ता सड़कों पर उतरीं और कांग्रेस के विरोध में नारेबाजी की। रैली की शुरुआत भाजपा कार्यालय, एकात्म परिसर से हुई, जो डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक तक पहुंची। हाथों में मशाल लिए महिलाओं ने पूरे मार्ग में प्रदर्शन करते हुए महिला अधिकारों के मुद्दे पर अपनी नाराजगी जताई। भाजपा महिला मोर्चा का आरोप है कि महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस का रुख महिलाओं के हितों के खिलाफ है। उनका कहना है कि कांग्रेस महिलाओं को उच्च सदनों तक पहुंचाने के बजाय उन्हें सीमित दायरे में ही रखना चाहती है। प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करना महिलाओं के अधिकारों के साथ समझौता है। इसी के विरोध में यह मशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।

वनांचलों की संजीवनी बनी मोबाइल मेडिकल यूनिट.....

- साढ़े तीन माह में 2000 से अधिक ग्रामीणों का हुआ नि:शुल्क उपचार
- विशेष पिछड़ी जनजातियों के द्वार तक पहुँचा अस्पताल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचलों और दुर्गम पहाड़ियों पर बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों के लिए शासन की मोबाइल मेडिकल यूनिट एक वरदान साबित हो रही है। 'अस्पताल खुद ग्रामीण के द्वार' की परिकल्पना को साकार करते हुए, इस सेवा ने पिछले साढ़े तीन महीनों में 2035 लोगों को उनके ही मोहल्ले में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। पूर्व में इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को सामान्य इलाज के लिए भी कई मील पैदल चलना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत 15 जनवरी 2026 से संचालित यह यूनिट विशेष पिछड़ी जनजाति 'कमार' बाहुल्य ग्राम बल्दाकछार और औराई सहित कसडोल क्षेत्र के अन्य गांवों में निरंतर कैंप लगा रही है। अब सुदूर बस्तियों के लोगों को शहर के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं रह गई है। इस चलते-फिरते अस्पताल में सुविधाओं का पूरा तामझाम मौजूद है। प्रत्येक यूनिट में एक मेडिकल ऑफिसर, लैब टेक्निशियन, नर्स और ड्राइवर की दक्ष टीम तैनात रहती है। नि:शुल्क जांच: बीपी, शुगर, मलेरिया और हीमोग्लोबिन जैसी महत्वपूर्ण जांचें मौके पर ही की जाती हैं।

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 का हुआ आगाज

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में जन-जन तक पहुंच रहा सुशासन

- मंत्रिगणों ने शिविर में आम लोगों की समस्याएं सुनी
- अधिकारियों को आवेदनों के त्वरित निदान के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में सुशासन की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में आज एक मई से सुशासन तिहार 2026 का प्रदेशव्यापी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 01 मई से 10 जून तक संचालित होने वाला यह अभियान शासन और आमजन के बीच की दूरी को समाप्त कर पारदर्शी, त्वरित एवं संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान के प्रथम दिवस प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया गया, जहां मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनते नजर आए। यह पहल वास्तव में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने की छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने का प्रभावी माध्यम है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम रिसदा में आयोजित शिविर में जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां प्राप्त 573 आवेदनों में से लगभग 47 प्रतिशत का मौके पर ही निराकरण किया गया। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समय-सीमा में निराकरण किया गया और आवेदकों से संतुष्टि फीडबैक भी लिया जाए। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनरास में आयोजित शिविर में

332 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 103 का तत्काल समाधान किया गया। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि यह अभियान शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड के ग्राम कठिया में आयोजित शिविर में मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब की उपस्थिति में कई हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। महिलाओं को मनरेगा जॉब कार्ड प्रदान किए गए। दिव्यांग हितग्राही श्री योगेश यादव को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। शिविर में हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी देखते ही बनती थी। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में स्टॉल लगाए गए, जहां आमजन को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, केसीसी ऋण, उज्ज्वला योजना, कृषि उपकरण, मत्स्य पालन सामग्री सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डिजिटल एक्स-रे जैसी सुविधाओं की उपलब्धता ने ग्रामीणों को त्वरित राहत दी। सुशासन तिहार के माध्यम से न केवल शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है, बल्कि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वयं इस अभियान की सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं तथा औचक निरीक्षण के माध्यम से जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा भी करेंगे।

संपादकीय

भाजपा को दागी और गद्दार पसंद हैं

शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन के सामने एक बार फिर दागी धुलने को तैयार हो गये। यही वही दागी है जिन पर इसी महीने की 15 तारीख को ईडी ने छापेमारी की थी। आम आदमी पार्टी के दस सांसदों में सात ने लगभग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है, बस औपचारिकताएं ही बाकी हैं। दिलचस्प तो यह है कि इनमें वह अशोक मित्तल भी शामिल हैं जिन पर पार्टी ने सबसे अधिक भरोसा किया। यह मित्तल वही हैं जिन्हें पार्टी ने राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाया था, यही नहीं मित्तल के घर पर ही पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल सरकारी बंगला खाली करने के बाद रह रहे थे और शुक्रवार सुबह ही उनका आवास खाली करके अपने नये सरकारी आवास पर गये थे।

इसी महीने की 15 अप्रैल को ईडी ने आप के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के मालिक अशोक मित्तल और उनके बेटे के ठिकानों पर पंजाब और गुरुग्राम में छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है। अशोक मित्तल के अलावा, पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के परिसरों पर भी ED ने छापा मारा है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई थी। तभी आप ने आरोप लगाया था कि बीजेपी इन एजेंसियों के दम पर विपक्ष को डरा रही है। यही नहीं, बीते दिनों जब भाजपा सरकार ने राघव चड्ढा को सुरक्षा घेरा प्रदान किया था तभी से यह उम्मीद हो गयी थी कि देर-सबेर राघव भारतीय जनता पार्टी में जाकर कमल थाम सकते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी को ऐसे नेता खूब सुहाते हैं जो जांच एजेंसियों से डर जाते हैं। क्योंकि जांच के घेरे में तो आप सांसद संजय सिंह भी है लेकिन वह नहीं गये और न ही जायेंगे, क्योंकि वह डरपोक नहीं है। और भाजपा को तो डरपोक नेता चाहिए। यह कहा जा सकता है कि भाजपा को दागी और डरपोक लोग पसंद हैं।

वैसे यह पहला मौका नहीं है भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले विपक्षी दलों के तमाम ऐसे सांसदों, विधायकों और नेताओं को दूसरे दलों से अपने यहां लिया है जिन पर ईडी, सीबीआई और पुलिस जांच में पहले घेरा गया और बाद में उनको अपने यहां शामिल करा कर साफ-सुथरा करार कर दिया गया।

राघव चड्ढा को तो मानिये नाराजगी के चलते पार्टी छोड़नी पड़ी लेकिन रास में उपनेता के पद से हटाने के बाद मीडिया में कहा था कि हारा नहीं हूं और उन्हों ने पूरी आप पार्टी को तोड़कर बदला ले लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिंह सीचेवाल और विक्रमजीत सिंह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब विधान सभा चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

उधर संदीप पाठक ने कहा कि वह मां भारती की सेवा करने के लिए भाजपा में आये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सेवा ही देश की सेवा है। दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे। विपक्ष जहां इसे आप के अंदरूनी मतभेद का संकेत बता रहा है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और नए उपनेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया करार दिया है।

स्थानीय जलवायु और मिट्टी की प्रकृति के अनुसार बीजों का चयन, उनके संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की खासी भागीदारी रही है। आधुनिक कृषि में रसायनों के अत्यधिक इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस संकट को देखते हुए बहुत सारी महिला किसानों ने तेजी से जैविक और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख किया है। वे जानती हैं कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों का सीधा दुष्प्रभाव उनके परिवार के स्वास्थ्य और स्थानीय भूजल पर पड़ता है। इसलिए उन्होंने केंचुए से खाद तैयार करने, नीम और अन्य वनस्पतियों से कीटनाशक बनाने और फसल चक्र को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने का काम शुरू कर दिया है।

खेतों की असली कमान संभाल रहीं महिलाएं, फिर भी 'किसान' का दर्जा नहीं

(रंजना मिश्रा)

जब महिलाएं वित्तीय संस्थानों या सहकारी समितियों के पास ऋण के लिए जाती हैं, तो अचल संपत्ति या भूमि की गारंटी न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में उन्हें स्थानीय साहूकारों पर निर्भर होना पड़ता है, जिनकी ब्याज दरें बहुत अधिक होती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का मूल ढांचा पूरी तरह से कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। पिछले कुछ दशकों में इस क्षेत्र में व्यापक जनसांख्यिकीय बदलाव देखने को मिला है। रोजगार और बेहतर आजीविका की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से पुरुषों का शहरों की ओर पलायन तेजी से बढ़ा है। इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई परिस्थिति को जन्म दिया है। आज खेत तैयार करने से लेकर बीज रोपने, निराई-गुड़ाई, कटाई और अनाज के सुरक्षित भंडारण तक के मामले में अच्छे-खासे अनुपात में जिम्मेदारी महिलाओं ने अपने कंधों पर ली है।

इसके बावजूद, यह एक गंभीर प्रशासनिक और नीतिगत विफलता है कि जो महिलाएं कृषि कार्यों का एक बड़ा हिस्सा हिस्सा संभाल रही हैं, उन्हें आज भी आधिकारिक रूप से किसान का दर्जा हासिल नहीं है। यह विचारणीय विषय है कि महिला किसान वर्तमान कृषि संकट के समाधान में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं। अगर नीतिगत स्तर पर कुछ बाधाओं को दूर कर दिया जाए, तो महिलाएं देश की संपूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल सकती हैं। मगर इसके लिए सबसे पहले कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान और उनकी पहचान के बीच की खाई को समझना आवश्यक है।

सरकारी आंकड़ों और राजस्व प्रलेखों में किसान उसे माना जाता है, जिसके नाम पर कृषि भूमि पंजीकृत होती है। हमारे पितृसत्तात्मक सामाजिक ढांचे में भूमि का स्वामित्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी पुरुषों के नाम ही हस्तांतरित होता रहा है। भूमि का वैधानिक पट्टा हाथ में न होने के कारण व्यवस्था की नजर में महिलाएं केवल कृषि मजदूर या परिवार की सहायक मात्र बन कर रह जाती हैं। यह केवल पहचान का संकट नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी आर्थिक और ढांचागत बाधा है। जब एक महिला कानूनी रूप से कृषक नहीं होती, तो वह राज्य द्वारा दी जाने वाली किसी भी संस्थागत सुविधा की पात्र नहीं मानी जाती।

जब महिलाएं वित्तीय संस्थानों या सहकारी समितियों के पास ऋण के लिए जाती हैं, तो अचल संपत्ति या भूमि की गारंटी न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में उन्हें स्थानीय साहूकारों पर निर्भर होना पड़ता है, जिनकी ब्याज दरें बहुत अधिक होती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी अनुदान, न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ और फसल नष्ट होने की स्थिति में मिलने वाला बीमा का पैसा भी उसी व्यक्ति के बैंक खाते में जाता है, जिसके नाम पर जमीन होती है। यानी खेत में मेहनत महिला भी करती है, लेकिन आर्थिक नियंत्रण और सुरक्षा जाल से वह पूरी तरह बाहर रहती है।

स्थानीय जलवायु और मिट्टी की प्रकृति के अनुसार बीजों का चयन, उनके संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की खासी भागीदारी रही है। आधुनिक कृषि में रसायनों के अत्यधिक इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस संकट को देखते हुए बहुत सारी महिला किसानों ने तेजी से जैविक और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख किया है। वे जानती हैं कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों का सीधा दुष्प्रभाव उनके परिवार के स्वास्थ्य और स्थानीय भूजल पर पड़ता है। इसलिए उन्होंने केंचुए से खाद तैयार करने, नीम और अन्य वनस्पतियों से कीटनाशक बनाने और फसल चक्र को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने का काम शुरू कर दिया है।

जलवायु परिवर्तन आज कृषि के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अनियमित वर्षा, बढ़ता तापमान और सूखे की मार का सीधा असर फसलों के उत्पादन पर पड़ता है। इन विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए महिला कृषकों ने व्यावहारिक और संसाधन-कुशल तरीके अपनाए हैं। उन्होंने जल संरक्षण के लिए खेत के चारों ओर मेड़बंदी करने, वर्षा जल संचयन के लिए छोटे पोखर बनाने और कम पानी में पकने वाली स्थानीय फसलों को प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाई है। पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। व्यावहारिक स्तर पर देखें, तो यह आमतौर पर महिलाओं के प्रबंधन पर निर्भर है। दूध उत्पादन से लेकर गोबर के कृषि उपयोग तक, हर एक चरण में उनका तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान किसी भी औपचारिक कृषि शिक्षा से कम नहीं है।

वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं ने अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए सामूहिकता का सहारा लिया है। पूरे देश में लाखों स्वयं सहायता समूह और महिला सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रही हैं। जिन महिलाओं के पास व्यक्तिगत रूप से संसाधन नहीं थे, उन्होंने समूह बना कर छोटी-छोटी पूंजी एकत्रित की है। अब ये महिलाएं बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे बाजार से संपर्क कर रही हैं। ये सामूहिक रूप से उन्नत बीज खरीदती हैं, कृषि उपकरणों को किराए पर लेती हैं और अपनी उपज को सीधे थोक बाजार में उचित मूल्य पर बेचती हैं। स्थानीय स्तर पर अनाज की छंटाई, साफ-सफाई, मसालों की पिसाई और फलों-सब्जियों के प्रसंस्करण के छोटे कुटीर उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। इससे न केवल फसल का बेहतर मूल्य मिल रहा है, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी हो रहा है।

जब धन किसी महिला के हाथ में आता है, तो उसका वितरण परिवार के विकास और मानव संसाधन के निर्माण में सबसे अधिक होता है। एक सशक्त महिला किसान अपनी आय का सबसे बड़ा हिस्सा अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा और परिवार के पोषण पर खर्च करती है। इसका सीधा अर्थ यह है कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता केवल उनकी उन्नति नहीं है, बल्कि यह कुपोषण, बाल विवाह और अशिक्षा जैसी गंभीर सामाजिक बीमारियों का सबसे प्रभावी उपचार है। जब गांव की आर्थिकी महिलाओं के नियंत्रण में आती है, तो संपूर्ण ग्रामीण समाज के स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों में सुधार दर्ज किया जाता है।

राज्यों के राजस्व कानूनों में ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए जो महिलाओं के नाम पर या कम से कम पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर भूमि के पंजीकरण को अनिवार्य या प्रोत्साहित करें। संपत्ति पंजीकरण शुल्क में महिलाओं को दी जाने वाली छूट का दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि परिवार स्वप्रेरणा से महिलाओं को भूमि का कानूनी अधिकार सौंपें। जब तक राजस्व दस्तावेजों में उनका नाम दर्ज नहीं होगा, तब तक किसी भी सरकारी योजना का सीधा लाभ उन तक पारदर्शी तरीके से नहीं पहुंच सकेगा।

दूसरा अहम सुधार कृषि उपकरणों और प्रौद्योगिकी के डिजाइन में होना चाहिए। आज बाजार में उपलब्ध ट्रैक्टर से लेकर हाथ से चलने वाले छोटे कृषि यंत्रों का निर्माण मुख्य रूप से पुरुषों की शारीरिक संरचना और क्षमता को ध्यान में रख कर किया गया है। चूंकि अब खेतों में मुख्य रूप से महिलाएं काम कर रही हैं, इसलिए कृषि अनुसंधान केंद्रों और अभियांत्रिकी संस्थानों को ऐसे उपकरण विकसित करने होंगे, जो वजन में हल्के हों, चलाने में आसान हों और महिलाओं के अनुकूल हों।

भारत की कृषि व्यवस्था एक संक्रमण काल से गुजर रही है। इस व्यवस्था को ढहने से बचाने और भविष्य की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने का एक जरूरी विकल्प महिला कृषकों को नीतिगत, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मुख्यधारा में लाना है। खेती केवल मिट्टी और पानी का खेल नहीं है, बल्कि यह निरंतर चलने वाला एक ऐसा विज्ञान है जिसके लिए धैर्य, सूझबूझ और दूरदृष्टि की आवश्यकता होती है। इन सभी पैमानों पर ग्रामीण महिलाओं ने खुद को साबित किया है। जरूरत इस बात की है कि सरकार और समाज उनके इस मूक श्रम को पहचानें।

लव जेहाद और धर्मांतरण का क्राइम सिंडिकेट

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश के तीन अलग-अलग शहरों में धर्मांतरण और लव जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं, नासिक, अमरावती और सूरत से पुलिस एक्शन मोड में है। इन मामलों में पुलिस कार्रवाई कर रही है। धर्मांतरण और लव जिहाद मामलों में पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। इनके नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास हो रहा है। क्या विदेशी कनेक्शन भी है? इसको भी जांच हो रही है।

महाराष्ट्र के अमरावती जिले से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, 180 नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और उनके अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद अब इस पर सियासत भी गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश बताया है। भाजपा नेताओं ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसआईटी जांच की मांग की है।

अमरावती पुलिस ने मोहम्मद अयाज नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अयाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, खासकर व्हाट्सएप और स्नैपचैट के जरिए नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसाया। जांच में पता चला है कि आरोपी ने कम से कम 180 लड़कियों का यौन शोषण किया और उनके 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है, जिसमें भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री मिली है। आरोपी फिलहाल सात दिनों की पुलिस हिरासत में है।अमरावती के अलावा नागपुर और परतवाड़ा जैसे जगहों की लड़कियों को भी निशाना बनाया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की अपील की है। वहीं, भाजपा विधायक देवयानी फरांदे ने कहा कि आईटी कंपनियों में महिलाओं के साथ अत्याचार और उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की खबरें आ रही है, जो चिंताजनक है।

उधर महाराष्ट्र के नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नासिक यूनिट में सामने आए यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण के मामले ने उद्योग जगत को झकझोर कर रख दिया है। मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को सत्र न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। वहीं, नासिक पुलिस ने उसकी धरपकड़ के लिए जाल बिछा दिया है। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में निदा खान की भूमिका बेहद संदेहास्पद है। उस पर कर्मचारियों के जबरन धर्मांतरण में शामिल होने का गंभीर आरोप है। दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, आरोपी दानिश शेख ने पीड़िता का परिचय तौसीफ और निदा से कराया था। आरोप है कि ये लोग हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों, विशेषकर शिवलिंग, भगवान कृष्ण और द्रौपदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे, जिससे पीड़िता को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर धर्मांतरण के लिए उकसाया जा सके।फरार निदा खान ने अपनी दो महीने की गर्भावस्था का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से सुरक्षा मांगी थी। हालांकि, सोमवार को कोर्ट ने उसे कोई राहत नहीं दी और अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अदालत का कोई स्टे ऑर्डर नहीं है, इसलिए उसे तलाशने के लिए तीन टीमें अलग-अलग ठिकानों पर भेजी गई। जांच में सामने आया है कि इस शोषण का शिकार होने वाली अधिकांश युवतियां मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं, जिनकी उम्र 21 से 30 वर्ष के बीच है और वेतन लगभग 20,000 रुपये प्रतिमाह है। दूसरी ओर, टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि कंपनी ने उत्पीड़न के आरोपों में शामिल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। हालांकि, कंपनी का यह भी कहना है कि उन्हें आंतरिक चैनलों के माध्यम से ऐसी कोई शिकायत पहले प्राप्त नहीं हुई थी। फिलहाल, नासिक पुलिस की एसआईटी कुल नौ एफआईआर की जांच कर रही है, जिसमें छेड़छाड़, मानसिक प्रताड़ना और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

गुजरात में सूरत के इच्छापोर इलाके में एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। लव जिहाद जैसे इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्लिम युवक है और उसकी मदद करने वालों में तीन मुस्लिम और एक हिंदू युवक शामिल है। सोशल मीडिया के जरिए नाबालिक हिंदू युवती को फंसाया गया था और फिर होटल में ले जाकर मुख्य आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया था।

इच्छापोर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इच्छापुर गांव में रहने वाले एक श्रमिक परिवार की कक्षा 12 में पढ़ने वाली नाबालिग बेटी को आरोपी मोहम्मद साजिद उर्फ अहद मोहम्मद जावेद पठान ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर अपने प्रेम जाल में फंसाया था। प्रेम का नाटक कर वह उसे बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया। यहां उसने उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को हुई, तो वे तुरंत इच्छापोर पुलिस स्टेशन पहुंचे और मामला दर्ज कराया। उधर आरोपी पुलिस द्वारा पकड़े जाने की भनक लगते ही अपने पैतृक स्थान बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पहचान छिपाने के लिए मुख्य आरोपी मोहम्मद साजिद ने अपने मित्र अभय कुमार शर्मा की मदद ली थी। अभय ने मोबाइल एडिटिंग ऐप के जरिए साजिद के आधार कार्ड में नाम बदलकर अभिषेक गुप्ता (एक हिंदू नाम) कर दिया था।

मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने और कूटनीति को विफल बताने वालों को यह रिपोर्ट देखनी चाहिए

देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने वाले और मोदी की विदेश नीति को विफल बताने वाले विपक्षी नेताओं को यह देखना चाहिए कि जब भारत के सामने ऊर्जा संकट मंडराया तो दुनिया के वही देश मदद के लिए खड़े हो गए जिनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों तक भरोसे का रिश्ता बनाया था।

(नीरज कुमार दुबे)

खासकर अफ्रीकी देशों से बढ़ते आयात ने यह साबित कर दिया है कि भारत ने समय रहते अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध बनाया था। आज वही रिश्ते और रणनीतिक फैसले भारत की ढाल बनकर खड़े हैं और यही असली कूटनीति की ताकत है।देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। लेकिन भारत न तो घबराया और न ही संकट में फंसा। इसका कारण है मोदी सरकार की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और समय रहते उठाए गए रणनीतिक कदम।

आज स्थिति यह है कि भारत में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की उपलब्धता एक महीने पहले की तुलना में काफी बेहतर हो चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार की ऊर्जा की कमी नहीं है और पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु बनी हुई है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित रणनीति का परिणाम है।

देखा जाये तो सबसे बड़ा बदलाव आया है ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण में। एक दशक पहले तक भारत केवल 27 देशों से कच्चा तेल लेता था, लेकिन

आज यह संख्या बढ़कर 41 हो चुकी है। इसका सीधा मतलब है कि भारत अब किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है। अमेरिका, रूस, कनाडा, नार्वे से लेकर अफ्रीकी देशों जैसे नाइजीरिया, अल्जीरिया और अंगोला तक भारत ने अपने ऊर्जा संबंधों का विस्तार किया है। एलएनजी के लिए कैमरून, इक्वेटोरियल गिनी और मोजाम्बिक जैसे नए साझेदार जुड़े हैं।

यही नहीं, रणनीतिक भंडारण की दिशा में भी भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पिछले 11 वर्षों में 5.3 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार किया गया है और अतिरिक्त क्षमता पर तेजी से काम चल रहा है। इसका मतलब यह है कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत के पास आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

मोदी सरकार ने केवल आपूर्ति बढ़ाने पर ही ध्यान नहीं दिया बल्कि प्रबंधन को भी मजबूत किया। चौबीसों घंटे निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एक अंतर मंत्रालयी समूह रोज बैठक कर हालात का आकलन कर रहा है। जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए और राज्यों को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

यहां सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है कूटनीतिक सक्रियता। प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, ईरान और अमेरिका जैसे देशों के नेताओं से लगातार संपर्क बनाए रखा। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हुई और आपूर्ति बाधित नहीं हुई। यह वही देश हैं जिनसे भारत ने संकट के समय पहले भी सहयोग किया था और आज वही रिश्ते काम आए।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की बड़ी परीक्षा थी। पश्चिम एशिया जैसे संवेदनशील क्षेत्र में तनाव का सीधा असर भारत पर पड़ सकता था, लेकिन भारत ने अपनी निर्भरता घटाकर इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया। अब होर्मुज मार्ग पर निर्भरता घटकर लगभग तीस प्रतिशत रह गई है।

इसके रणनीतिक निहितार्थ और भी गहरे हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा कूटनीति का सक्रिय खिलाड़ी बन चुका है। अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों में बढ़ती मौजूदगी भारत को दीर्घकालिक सुरक्षा देती है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी काम हो रहा है।

आम जनता पर इसका सकारात्मक असर साफ दिख रहा है। रसोई गैस की आपूर्ति जारी है, भले ही घबराहट में बुकिंग बढ़ने से डिलीवरी में चार से पांच दिन का समय लग रहा हो, लेकिन कहीं भी गैस खत्म होने की खबर नहीं है। किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है और पेट्रोल, डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती की गई है।

यह पूरा घटनाक्रम एक बात साफ करता है कि मोदी सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल नीतिगत मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा माना है। आज जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं तब भारत मजबूती से खड़ा है।

बहरहाल, विपक्ष को यह समझना होगा कि विदेश यात्राएं केवल फोटो खिंचवाने के लिए नहीं होतीं, बल्कि संकट के समय काम आने वाले रिश्ते बनाने के लिए होती हैं। और जब संकट आया, तो वही रिश्ते भारत के लिए कवच बन गए। यही है नई भारत की आक्रामक, आत्मविश्वासी और दूरदर्शी कूटनीति।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जिले में बस्तर मुन्ने कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम स्तरीय शिविरों का आयोजन शुरू

कोंडागांव। राज्य शासन के मंशानुरूप शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तरीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बस्तर मुन्ने की शुरुआत जिले के 28 गांवों में शिविर आयोजित कर की गई। उक्त शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु मौके पर ही आवेदन प्राप्त किए गए। 01 मई को जनपद पंचायत कोण्डागांव अंतर्गत ग्राम भीरागांव ब, कुम्हारपारा, सिरसिबेड़ा, मसौरा, गिरोला, सातगांव, पल्ली, सितली, चिलपुटी, पलारी, डोंगरीगुड़ा, बफना, बड़े भिरावंड, छोटेभिरावंड, छोटेबंजोड़ा, नेवता, मुलमुला, धनपुर, लेमड़ी, खड़का, भोगाड़ी में और जनपद पंचायत बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम कोर्रा, सोनपुर, कोरोहेबेड़ा, बैजनपुरी, आमागुहान, कोरगांव और रामपुर में शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने गांव में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करें।

85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 179 छात्र-छात्राओं को कलेक्टर ने किया प्रोत्साहित

कोंडागांव। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर दसवीं एवं बारहवीं कक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले 179 मेधावी छात्र-छात्राओं को कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा जिला कार्यालय में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर ने विद्यार्थियों को शाल, श्रीफल, पेन एवं डायरी भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी लगन के साथ अध्ययन जारी रखने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि जिले के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

इन विद्यार्थियों ने किया जिले में टॉप

12वीं बोर्ड परीक्षा में जिले की सालेहा पारेख स्वामी आत्मानंद विद्यालय केशकाल 95 प्रतिशत, कोर्ति देवांगन, स्वामी आत्मानंद विद्यालय फरसगांव 94 प्रतिशत, लकेश दीवान, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरोला 93.80, मंजेश्वरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय 93.60, सलिमा सेजेस केशकाल 92.80, सेजेस माकड़ी की 92.40 आयशा खातून सेजेस केशकाल 91.60, नाज़िश फातिमा सेजेस केशकाल 91.20, रेहन सिंह नेताम, शासकीय मॉडल हा.से.स्कूल फरसगांव 91, राशि श्रीमाली सेजेस माकड़ी 91, आंचल शर्मा सेजेस जामकोटपारा 91 और यशोदा सेजेस कोनगुड 90.80 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार 10वीं बोर्ड में सुनीता सेजेस कोनगुड 95.17 प्रतिशत, कुमकुम पांडे शासकीय हाई स्कूल गिरोला 94.50, स्मृति पाल, सेजेस फरसगांव 94.17, निष्ठा सिंह सेजे केशकाल 93.67, सतेन्द्र पाण्डे सेजेस लुभा 93.33, ऐश्वर्या वैद्य सेजेस केशकाल 92.67, हसीना मरकाम शासकीय कन्या परिसर पिपरा 92.67, श्रद्धा गुप्ता सेजेस केशकाल 92.50, राजनंदा सेजेस जामकोटपारा 92.50, जमुना सेजेस बांसकोट 92.33, साक्षी चनाप सेजेस विश्रामपुरी 92, आदित्य सेजेस फरसगांव 91.83 और भूमिका मरकाम 91.83 प्रतिशत है।

दूरस्थ क्षेत्र की बेटियां मेहनत और हौसले से हुए सफल

दूरस्थ क्षेत्र कोंगुड स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा कुमारी यशोदा राठौर, ग्राम बदया निवासी, ने कक्षा 12वीं में 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। यशोदा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर मेहनत और परिवार के प्रोत्साहन से यह सफलता संभव हो सकी। यशोदा ने कहा कि उन्होंने कभी संसाधनों की कमी को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई जारी रखी। इसी तरह उनकी छोटी बहन सुनीता राठौर ने कक्षा 10वीं में 95.16 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया। सुनीता ने बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई की। किसी भी विषय में शंका होने पर वे विद्यालय में शिक्षकों से समाधान प्राप्त करती थीं और घर लौटकर नियमित पुनरावृत्ति करती थीं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, बड़ी बहन और शिक्षकों को दिया।

किरन्दुल मे बंगीय समाज द्वारा की गई शीतला देवी की पूजा

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल वार्ड क्रं 03 खुदीराम बोस वार्ड बंगाली कैम्प में माता शीतला देवी की बंगीय समाज के भक्तगणों द्वारा विशेष पूजा अर्चना किया गया। इस पूजा में नगर से सैकड़ो की संख्या में भक्तगण सम्मिलित होकर माता रानी की दर्शन किए। इस पावन अवसर पर भक्त जन सुबह से ही उपवास रहकर पूजा अर्चना कर देवी को पुष्पांजलि अर्पित किए।

पुसगुड़ा में सुशासन तिहार की आकर्षक तस्वीर, कलेक्टर अमित कुमार ने महुआ पेड़ के नीचे लगाई जनचौपाल

कोंटा। जिले में 'सुशासन तिहार' के तहत प्रशासन की सक्रियता अब दूरस्थ अंचलों तक साफ दिखाई देने लगी है। जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पुसगुड़ा में कलेक्टर अमित कुमार ने महुआ पेड़ की छांव में ग्रामीणों के बीच बैठकर जनसमस्याओं को सुना और संवाद किया। यह दृश्य केवल एक सरकारी दौरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने का मजबूत संदेश बनकर सामने आया। करीब 106 की आबादी वाले छोटे से गांव में कलेक्टर का जमीन पर ग्रामीणों के साथ बैठना प्रशासन की संवेदनशीलता और जनसेवा भावना को दर्शाता है। नियद नेल्लानार योजना 2.0, बस्तर मुन्ने और सुशासन तिहार के तहत आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने खुलकर अपनी बातें रखीं। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही समाधान की दिशा में कार्रवाई कर प्रशासनिक तत्परता दिखाई।

जनहित में बड़े फैसले, गांव को मिली नई उम्मीद

चौपाल के दौरान गांव के विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। गांव को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पक्की सड़क हेतु पंचायत से तत्काल प्रस्ताव मंगाया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांव के लिए 'तूफान' सवारी गाड़ी देने की घोषणा की गई। वहीं सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को गर्भवती महिलाओं की पहचान कर समय पर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

तत्काल कार्रवाई से बढ़ा प्रशासन पर भरोसा

चौपाल के दौरान खराब हैंडपंप की शिकायत मिलते ही उसे तत्काल दुरुस्त कराया गया। इसके अलावा गांव में आवश्यक सामुदायिक निर्माण कार्यों के लिए 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की गई, जिससे बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। ग्रामीणों ने इस पहल को सुशासन की सच्ची तस्वीर बताया।

शासकीय योजनाओं से बदल रही तस्वीर

ग्रामीणों ने बताया कि अब गांव में बिजली पहुंच चुकी है, जिससे पुसगुड़ा अंधेरे से बाहर निकल आया है। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से जल मिलने लगा है और श्रम कार्ड बनने से ग्रामीण शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि उद्देश्य केवल कार्यालयों से आदेश जारी करना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं का समाधान करना है। सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लानार 2.0 के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासन की हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और जिले के हर गांव में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। इस अवसर पर एसडीएम सुभाष शुक्ला, जनपद सीईओ सुमित ध्रुव, एडिशनल एसपी मनोज तिर्की सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्थानीय वार्षिक परीक्षाफल घोषित

नारायणपुर। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नारायणपुर में कक्षा 6वीं, 7वीं, 9वीं एवं 11वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। परिणाम घोषित होने के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक, शाला प्रबंधन समिति के सम्माननीय सदस्यगण, समस्त शिक्षकगण एवं प्राचार्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य तथा शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही अनुत्तीर्ण एवं अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है, अतः निराश हुए बिना कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ पुनः प्रयास करें।

अप्रैल माह गुमशुदा खोज अभियान में शानदार सफलता

कोंडागांव। 1 से 30 अप्रैल तक पूरे माह जिले में दो विशेष अभियान आपरेशन मुस्कान एवं आपरेशन तलाश बड़े पैमाने पर चलाए गए। इन अभियानों के माध्यम से कोंडागांव पुलिस की मेहनत, समर्पण और कुशल रणनीति का परिणाम यह रहा कि कुल 39 गुमशुदा व्यक्तियों (12 बच्चे 27 वयस्क) को विभिन्न राज्यों से सुरक्षित ढंग से ट्रेस कर उनके परिवारों को सुपुर्द किया गया। यह सफलता न केवल लापता व्यक्तियों की खोज का कीर्तिमान है, बल्कि परिवारों में खुशियों की बहार लाने का भी प्रतीक है। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत 12 गुमशुदा बालक एवं बालिकाओं को मुंबई, तमिलनाडु सहित अन्य विभिन्न राज्यों से सकुशल रिकवर किया गया। उनके माता-पिता महीनों से चिंता, आँसू और दुख भरे जीवन व्यतीत कर रहे थे। कोंडागांव पुलिस की टीमों ने इन नन्हे-मुन्नों की खोज में दिन-रात एक कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, अन्य राज्यों की पुलिस के साथ उत्कृष्ट समन्वय तथा आधुनिक सूचना तंत्र का बेहतर उपयोग करते हुए इस मिशन को सफल बनाया गया। सभी बच्चों को उनके माता-पिता/अभिभावकों के हाथों सौंपते समय उनकी खुशी का ठिकाना नही था। इसी प्रकार ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत 27 गुमशुदा पुरुष एवं महिलाओं को अलग-अलग राज्यों से ट्रेस कर उनके परिवारों तक पहुँचाया गया। इनमें विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्ति शामिल थे जो रोजगार की तलाश, स्वास्थ्य समस्याओं, पारिवारिक कारणों अथवा अन्य परिस्थितियों में घर से दूर हो गए थे। पुलिस टीमों की निरंतर निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान और अन्य राज्यों के सहयोग से इन सभी व्यक्तियों को सुरक्षित उनके घर वापस लाया गया। ये दोनों अभियान पुलिस अधीक्षक कोंडागांव आकाश श्रीश्रीमाल के कुशल मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के सतत निर्देशन, अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के कड़े पर्यवेक्षण तथा समस्त थाना प्रभारियों के दृढ़ नेतृत्व में संचालित किए गए। जिले की प्रत्येक थाना टीम, जिला पुलिस मुख्यालय की विशेष सेल तथा अन्य राज्यों की पुलिस इकाइयों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर यह अभूतपूर्व सफलता हासिल की गई। पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल ने कहा गुमशुदगी किसी परिवार के लिए सबसे बड़ा दर्द है। कोंडागांव पुलिस का संकल्प है कि जिले का कोई भी व्यक्ति लापता नहीं रहेगा। अप्रैल माह में 39 परिवारों की खुशी लौटाना हमारी टीम का गौरव है। हमने साबित कर दिया कि नक्सल मुक्त कोंडागांव अब बाल-सुरक्षा, नागरिक सुरक्षा और परिवार पुनर्मिलन का प्रतीक बन चुका है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि हर सफल रिकवरी एक परिवार की मुस्कान है।

केशकाल में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न, 260 से अधिक लोगों ने लिया विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श

केशकाल। नगर के जनपद प्राथमिक शाला परिसर में मुस्लिम समाज की विंग जमात रज़ा-ए-मुस्तफा द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में लगभग 260 से अधिक लोगों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों से स्वास्थ्य परामर्श लिया तथा निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। इस स्वास्थ्य शिविर में रायपुर स्थित आईएलएस हॉस्पिटल से आए अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया। शिविर में हृदय रोग, स्त्री रोग, अस्थि रोग, तंत्रिका विज्ञान, पल्मोनोलॉजी, जनरल मेडिसिन एवं जीआई सर्जरी सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। आपको बता दें कि इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉ. प्रतीक पाण्डे, डॉ. मनीषा शर्मा, डॉ. राहुल शाह, डॉ. अमित जैन, डॉ. प्रियंका खत्री एवं डॉ. धीरज प्रेमचंदानी ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। वहीं केशकाल बीएमओ डॉ. डीके बिसेन एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने भी शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनके द्वारा मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

नगरवासियों ने आयोजन समिति को धन्यवाद दिया

नवरतनमल बाधमार ने कहा कि इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर समय-समय पर आयोजित होने चाहिए, ताकि क्षेत्र के लोगों को अपने ही शहर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों का परामर्श मिल सके और उपचार के लिए दूसरे जिलों या राज्यों में भटकना न पड़े। भविष्य में भी जनहित से जुड़े ऐसे आयोजन जारी रखने की बात कही। इस दौरान मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिक अमीन मेमन, पन्नराज मालू, नवरतनमल बाधमार, फारूक वीरानी, अशफाक अहमद कुरैशी, थाना प्रभारी विकास बघेल, पार्षदगण- जितेंद्र रजक, राजेन्द्र ठाकुर, हेमंत बांधे आयोजन समिति के पदाधिकारी अख्तर मेमन, सोहेल रजा, वसीम मेमन एवं अरमान मेमन मौजूद रहे।

ऐसे शिविरों का आयोजन होना आम जनता के लिए लाभकारी : अध्यक्ष

अंजुमन इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष सलीम मेमन ने बताया कि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों के लिए ऐसे शिविर को काफी लाभकारी साबित होते हैं। अक्सर गंभीर बीमारियों के उपचार एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श के लिए रायपुर, जगदलपुर या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे आर्थिक और समय दोनों की परेशानी होती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर इस प्रकार का स्वास्थ्य शिविर आयोजित होना आम लोगों एवं खास तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वरदान के बराबर होता है।

मजदूर दिवस पर किरंदुल में एटक यूनियन द्वारा एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई

किरंदुल। लोहनगरी किरन्दुल में एटक द्वारा शिकागो में हुए मजदूर आंदोलन के शहीदों को याद करते हुए अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पूरे जोश और सम्मान के साथ मनाया गया। 1886 में अमेरिका के शिकागो में मजदूरों ने 16 घंटे की कठोर मेहनत के खिलाफ आवाज उठाई थी, जहां 8 घंटे काम का अधिकार पाने की लड़ाई में कई मजदूरों ने अपनी जान कुर्बान कर दी। उसी संघर्ष की याद में दुनिया भर में मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा के किरंदुल में एटक यूनियन द्वारा एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत संयुक्त खदान मजदूर संघ यूनियन कार्यालय से हुई, जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए पुनः यूनियन कार्यालय में समाप्त हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में मजदूरों के साथ-साथ महिला मजदूरों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। रैली के माध्यम से मजदूरों ने अपने अधिकारों और एकता का संदेश दिया, साथ ही शिकागो के शहीद मजदूरों के संघर्ष को याद किया, जिनकी कुर्बानी के चलते आज श्रमिकों को 8 घंटे काम करने का अधिकार मिला है। शाम के समय डीएवी स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मजदूर आंदोलन के इतिहास और उनके बलिदान को जीवंत किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जो भी श्रमिक अधिकार हमें प्राप्त हैं, वे उन शहीदों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। मजदूर दिवस का यह आयोजन न केवल एक उत्सव रहा बल्कि श्रमिकों के अधिकारों, एकता और संघर्ष की याद दिलाने वाला प्रेरणादायक अवसर भी साबित हुआ।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज, ऋचा शर्मा ने किया जमीनी निरीक्षण

कुतुल में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से जल जीवन मिशन पूर्ण कार्य और निर्माणाधीन बाजार शेड का किया अवलोकन

नारायणपुर। प्रदेश की अपर मुख्य सचिव (वन एवं जलवायु परिवर्तन) ऋचा शर्मा ने नारायणपुर जिले के दूरस्थ एवं पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों– ईरकभट्ठी, कानागांव और कुतुल, आकाबेड़ा का दौरा कर निर्माण कार्यों एवं तेंदूपत्ता खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। निरीक्षण की शुरुआत बोरपाल के तेंदूपत्ता खरीदी केंद्र से हुई, जहां उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने बिजली स्थित खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक तेंदूपत्ता संग्रहण कर आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। नारायणपुर के तेंदूपत्ता गोदाम में भी उन्होंने भंडारण व्यवस्था का अवलोकन करते हुए उचित रखरखाव के सुझाव दिए। कानागांव, जो हाल ही में नक्सल मुक्त हुआ है, वहां पहली बार तेंदूपत्ता खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने इसे विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया। ईरकभट्ठी में स्कूल और नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने महिलाओं से भी बातचीत की। महिलाओं ने पत्तल निर्माण एवं इमली खरीदी की कार्ययोजना बतायी, प्रोत्साहित भी किया गया। अपर मुख्य सचिव शर्मा ने कच्चापाल में स्कूली बच्चों से मुलाकात किया। इसके बाद कुतुल पहुंचकर उन्होंने चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुतुल में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से चल रहे जल जीवन मिशन के कार्य और निर्माणाधीन बाजार शेड का किया निरीक्षण किया। आकाबेड़ा के तेंदूपत्ता खरीदी केंद्र का अवलोकन करते हुए भी उन्होंने ग्रामीणों को अधिक आय अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक रंजीता गुप्ता, कलेक्टर नम्रता जैन, वनमंडलाधिकारी डॉ. वेंकटेशा एमजी, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता के घर चोरी, एक साल बाद सलाखों के पीछे पहुंचे चोर

कोरबा। सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अधिवक्ता के घर एक वर्ष पूर्व हुई चोरी की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किये गए करीब 10 तोला सोने के जेवरात और नगदी सहित लगभग 8 लाख रुपये का सामान बरामद किया गया है, जबकि मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश अभी जारी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में तकनीकी जांच और मुखबिर से मिली सूचना अहम साबित हुई। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, कटघोरा थाना क्षेत्र के पुरानी बस्ती निवासी अधिवक्ता राकेश पांडेय के सूने मकान में 19 अप्रैल 2025 को अज्ञात आरोपियों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपियों ने घर से लगभग 10 तोला सोने के जेवरात, जिनमें रानी हार सेट, झुमके, सोने की चेन, दो चांदी की पायल तथा नगदी राशि चोरी कर ली थी। घटना में एक मोटरसाइकिल का भी उपयोग किया गया था। लगातार जांच के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपी अमित खांडे और गौतम कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

मारुति क्लीन कोल प्लांट में हादसा 300 मेगावाट यूनिट पावर ट्रांसफार्मर में धमाके के साथ लगी भीषण आग

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के बांधाखार स्थित मारुति क्लीन कोल प्लांट से एक बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आई है। बुधवार की देर रात करीब 1.45 बजे प्लांट के 300 मेगावाट यूनिट के पावर ट्रांसफार्मर में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद वहां भीषण आग लग गई। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोग दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही समूह के चाकाबूढ़ा स्थित एसीबी प्लांट से फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस हादसे के कारण प्लांट में बिजली का उत्पादन पूरी तरह से रुक गया है, जिससे कंपनी को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि इस पूरी घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, कंपनी प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार प्लांट में एक वैकल्पिक (दूसरा) पावर ट्रांसफार्मर उपलब्ध है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही उत्पादन दोबारा शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल तकनीकी टीम सुधार कार्य में जुटी हुई है।

एसईसीएल के सरायपाली खदान क्षेत्र में गन पॉइंट पर हो रही डीजल चोरी, मालिक व चालक भयभीत

कोरबा। कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की सरायपाली परियोजना खदान में चलने वाले भारी वाहनों से डीजल की चोरी हो रही है। खदान से कोयला परिवहन में लगे ट्रक-ट्रेलर- हाईवा वाहनों के मालिक और चालक इस तरह की चोरी से काफी परेशान और भयभीत हैं। विरोध करने पर जान जाने का खतरा बना रहता है। विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि डीजल की चोरी करने वाले लोग रात डेढ़ बजे से तड़के 4 बजे के बीच सक्रिय होते हैं। उनके द्वारा खदान क्षेत्र के बाहर इंतजार में खड़ी कोयला ट्रकों व अन्य कोयला मालवाहनों के चालकों के आराम में खलल डालकर वारदात की जाती है। एक बोलेरो में सवार होकर लोग पहुंचते हैं, एक व्यक्ति संबंधित भारी वाहन के चालक के पास पहुंचकर उसे गन पॉइंट पर रखता है और दूसरे साथी लोग उक्त वाहन से डीजल की चोरी करते हैं। इसके बाद भरे हुए जरीकेनों को बोलेरो में रखकर फरार हो जाते हैं। यह सिलसिला काफी लंबे समय से चला आ रहा है। इससे कोयला परिवहन में लगे वाहनों के मालिक काफी परेशान हैं। वाहनों से डीजल की चोरी होने के कारण आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। मीडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से महंगाई और किल्लत की मार से हलाकान ट्रक मालिकों ने पुलिस से अपेक्षा जाहिर की है कि मामला उजागर होने के बाद डीजल चोरों पर नकेल कसी जाएगी।

सेजेस कोरबी चोटिया की छात्राओं ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक हासिल कर बढ़ाया विद्यालय परिवार का मान

कोरबा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोरबी चोटिया में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में बेहतर परीक्षाफल अर्जित कर बालिकाओं ने बाजी मार ली है । सेजेस कोरबी में कक्षा 12 वीं में इस बार छात्रों ने शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय, माता पिता सहित अपने परिवार का नाम रोशन किया है। कुमारी वंदना ऑडिल 81.04 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहीं। मनीषा देवी 79.02 प्रतिशत प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर तो कुमारी रीतू मरावी 77.04 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रहीं।

अंबिकापुर के वार्ड 23 में 2.90 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन

सड़क,नाला निर्माण सहित कई परियोजनाओं की शुरुआत.......भाजपा नेताओं ने कहा,ट्रिपल इंजन सरकार में विकास को मिलेगी नई रफ्तार

अंबिकापुर। शहीद वीर नारायण वार्ड क्रमांकङ्क23 में भाजपा प्रदेशमहामंत्री अखिलेश सोनी, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती श्वेता गुप्ता एवं जितेन्द्र सोनी ने जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। कार्यों की स्वीकृति अंबिकापुर विधायक व छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल एवं महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा विगत वर्ष भारी बारिश के कारण जल भराव की स्थिति में जन संपर्क के दौरान वार्ड पार्षद की मांग पर कराया गया है। अधोसंरचना मद से गाड़ाघाट मार्ग सुलभ शौचालय से महादेव बस्ती ट्रांसफार्मर तक डामरीकरण कार्य लागतङ्क 43.31लाख, शिवशंकर नगर से महादेव गली तक सड़क डामरीकरण कार्य लागत 18.17 लाख, अन्नपूर्णा सामुदायिक भवन से महादेव बस्ती तक नाला निर्माण कार्य लागत ङ्क97.34 लाख, महादेव बस्ती से चोरकाकछार तक नाला निर्माण 131.85 लाख, इस प्रकार कुलङ्क 290.67 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेशमहामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि नगर निगम अंबिकापुर, प्रदेश व देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। और जहां भाजपा है, वहां विकास है। नगर निगम अंबिकापुर में महापौर मंजूषा भगत के नेतृत्व में सरकार बने केवल एक वर्ष हुए हैं। अंबिकापुर के लगभग सभी सड़क स्वीकृत हैं, कार्य प्रारंभ है। उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय सरकार में विकास कार्य के लिए पैसे की कोई भी कमी नहीं है , हम नागरिकों को विश्वास दिलाते हैं कि अंबिकापुर और वार्ड के विकास कार्य इन पांच वर्ष में पूर्ण हो जाएंगे। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा मैंने भारी बारिश के कारण जल भराव के दौरान इस वार्ड का दौरा किया था। और वार्ड वासियों की समस्या से अवगत हुई थी। आपके पार्षद ने प्राथमिकता के आधार पर नाला एवं सड़क डामरीकरण का मांग किया था। अम्बिकापुर विधायक एवं मेरे प्रयास से तत्काल उनकी स्वीकृति शासन से कराई गई है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों द्वारा वार्ड पार्षद व मुझे भारी मत रूपी आशीर्वाद प्रदान किया गया, जिसके लिए हम सदा ऋणी व इस क्षेत्र के विकास हेतु समर्पित रहेंगे । सभापति ने कहा कि हमारी सरकार हमने बनाया है, हमही सवारेंगे के नारा को अनुसरण कर कार्य कर रही है। शहर की विकास हेतु हम संकल्पित हैं। हमारी ट्रिपल इंजन की सरकार है, विकास में किसी प्रकार की कोई अड़चन नहीं आएगी। जनता की सेवा हमारा परम कर्तव्य है। एमआईसी सदस्य व इस वार्ड के पार्षद जितेंद्र सोनी ने कहाङ्क यह वार्ड ग्राम पंचायत से अलग हुआ था एवं विकास कार्य से अछूता है। जिस विश्वास से आपने वार्ड में मुझे एवं महापौर जी को अपना भरपूर आशीर्वाद दिया। उस पर हम खरा उतरेंगे। मैंने निर्माण कार्य के साथ-साथ बिजली, पानी के लिए, जितनी भी विकास हेतु मांग की वह पूर्ण हुई है और आगे भी होगी। जिस हेतु मैं वार्ड वासियों की तरफ से हमारे लोकप्रिय विधायक एवं महापौर जी का आभार व्यक्त करता हूं। हमारा वार्ड मूलभूत सुविधाओं से पिछड़ा होने के नाते संगठन में हमारे वरिष्ठ नेता से श्री अखिलेश सोनी जी से व सरकार के प्रतिनिधि के नाते आपसे इस वार्ड के विकास हेतु मदद की अपेक्षा रखता हूं।

सरगुजा जिले के ग्राम सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री श्री साय का हेलीकॉप्टर.....

■ खाट में बैठकर ग्रामीणों से किया संवाद: सुनी समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

अंबिकापुर। प्रदेशव्यापी 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। जन चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी श्री राजेश शुक्ला ने अपनी आर्थिक कठिनाइयों का जिक्र करते हुए बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मामले पर संज्ञान लिया और आश्वस्त किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के इस त्वरित निर्णय से भावुक हुए राजेश शुक्ला ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी समस्या को लेकर परेशान थे, लेकिन आज मुख्यमंत्री ने स्वयं उनकी बात को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चौपाल उनके लिए राहत और विश्वास का माध्यम बनी है। जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'सुशासन तिहार' शासन की कार्यप्रणाली में बेहतर और सकारात्मक बदलाव का संकल्प है।

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्य शरण सिंह देव पुलिस महानिरीक्षक को लिखा पत्र

■ सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा गैंगरेप के अपराधियों को बढ़ाने की साजिश की जांच की मांग की

अम्बिकापुर/ पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पुलिस महानिरिक्षक सरगुजा को पत्र लिख कर विगत दिनों सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिगों के साथ हुए गैंग रेप एवं इसके पश्चात एमएलसी के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर में चिकित्सक द्वारा जांच के बावजुद रेप की पुष्टि नहीं करना तथा मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में रेप की पुष्टि होने सहित सीतापुर पुलिस की भूमिका को लेकर पत्र लिखा है। आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पत्र में कहा है कि सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रेप की पुष्टि नहीं होना और मेडिकल कॉलेज में हो जाना कहीं न कहीं सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की भूमिका पर सवाल खड़ा करता है। आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि सीतापुर थाना को लेकर भी स्थानीय लोगों एवं मीडिया माध्यमों से यह जानकारी मिली है कि सीधे तौर पर पीड़ितों की सुनवाई न करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर से मिले रिपोर्ट को आधार मान कर एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी। यह मामला मीडिया सहित अन्य माध्यमों में जब आया और ऐसा लगा कि अब यह उच्च अधिकारियों तक पहुंचेगा, इसके पश्चात ही मामले में एफआईआर दर्ज की गई, ऐसी चर्चा जनसामान्य में लगातार बनी हुई है। दोनों ही स्थलों पर चूक होना स्वाभाविक नहीं हो सकता। आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पत्र के माध्यम से आग्रह किस है कि इस पुरे प्रकरण में सीतापुर थाना प्रभारी की भूमिका जिसे लेकर मीडिया में लगातार सवाल खड़ा किया जा रहा है और पुन: उन्हें ही जब इस मामले की जांच भी सौंपी गई है, ऐसे में सीतापुर पुलिस की भूमिका तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक द्वारा किस दबाव में और किन परिस्थितियों ऐसी रिपोर्ट तैयार की गई।

सुशासन तिहार 2026:मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सिलमा के जन चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

■ ग्राम सुआरपारा के राजेश शुक्ला को मिला बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सरगुजा प्रवास के दौरान 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन का जानकारी ली और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जन चौपाल के दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी श्री राजेश शुक्ला ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी आर्थिक कठिनाइयों को रखते हुए बिजली बिल समाधान और आर्थिक सहयोग के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए श्री शुक्ला को आश्वस्त किया कि उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफकरने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी और शासन की ओर से हरसंभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से खुशी जाहिर करते हुए राजेश शुक्ला ने कहा मैं अपनी समस्या को लेकर बहुत परेशान था, लेकिन मुख्यमंत्री जी ने सिलमा शांतिपारा बतौली की इस चौपाल में मेरी बात को बड़े अपनेपन से सुना। मुझे बिजली बिल माफी और आर्थिक मदद का भरोसा मिला है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 40 दिनों तक 'सुशासन तिहार' का आयोजन किया जाएगा। अभी तक आप अपने काम को लेकर प्रशासन तक जाते थे लेकिन सुशासन तिहार में हर नागरिक के दरवाजे तक प्रशासन पहुँचगा। इस सुशासन तिहार में शासन आपके बीच आएगी और आपके मांग, समस्या और शिकायतों का समाधान करेगी। उन्होंने जन चौपाल में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन का समय सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शांतिपारा में आयोजित इस जन चौपाल में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों के क्रियान्वयन की जानकारी लोगों से ली, और शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित लोगों से संवाद किया। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत कलेक्टर श्री अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

ऑपरेशन तलाश एवं अभियान मुस्कान के तहत 30 दिनों के भीतर 114 गुमशुदा किये गए दस्तयाब

■ डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा गुम इंसान के मामलो मे गंभीरतापूर्वक की जा रही कार्यवाही।

■ अभियान के तहत गुम इंसान के परिजनो से संपर्क कर एवं तकनिकी संसाधनों का उपयोग कर कुल 114 गुम इंसान किये गए दस्तयाब।

सरगुजा पुलिस

अंबिकापुर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के दिशा निर्देशन मे गुम इंसानो की तलाश हेतु ऑपरेशन तलाश एवं मुस्कान अभियान की शुरुवात 1 अप्रैल से किया गया है जो पुरे अप्रैल माह चलाया गया, अभियान कों संज्ञान मे लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों कों ऑपरेशन तलाश एवं मुस्कान अभियान के तहत अधिक से अधिक संख्या मे गुम इंसानो की पता तलाश कर दस्तायाब कर परिजनों कों सुपुर्द किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे। दिशा निर्देशों के परिपालन मे जिले की पुलिस टीम द्वारा 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की स्थिति मे 114 गुम इंसानो कों खोज निकाला है, जिसमे 80 महिला एवं 20 पुरुष एवं 14 नाबालिग में 02 बालक व 12 बालिका शामिल है, सभी गुम इंसानो कों उनके परिजनों कों सुपुर्द किया गया है, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन मे थाना अंबिकापुर कोतवाली द्वारा 12 गुम इंसान, थाना गांधीनगर द्वारा 25 गुम इंसान, थाना सीतापुर द्वारा 03 गुम इंसान, थाना लखनपुर द्वारा 11 गुम इंसान, थाना उदयपुर द्वारा 10 गुम इंसान, थाना बतौली द्वारा 04 गुम इंसान, थाना लुन्ड्रा द्वारा 07 गुम इंसान, थाना धौरपुर द्वारा 04 गुम इंसान, थाना दरिमा द्वारा 13 गुम इंसान, थाना मणीपुर द्वारा 07 गुम इंसान एवं थाना कमलेश्वरपुर पुलिस टीम द्वारा 04 गुम इंसान बरामद किये गए है, थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा अभी तक सार्वधिक गुम इंसानो की दस्तायाबी की गई है। मुस्कान अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा 05 नाबालिग बालिका, थाना गांधीनगर द्वारा 04 नाबालिग बालिका, थाना उदयपुर 01 थाना बतौली द्वारा 01 नाबालिग बालिका, एवं थाना धौरपुर 01, मणिपुर 01 कमलेश्वरपुर द्वारा 01 नाबालिग बालिका कुल 14 नाबालिग बालिका पुलिस टीम द्वारा दस्तायाब किये गए अभियान के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा गुम इंसानो के परिजन से संपर्क कर जानकारी लेकर एवं तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए गुम इंसानों को सकुशल दस्तायाब किया है, ऑपरेशन तलाश एवं मुस्कान अभियान के तहत गुम इंसानो की दस्तयाबी के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाया जा रहा है।

विभिन्न योजनाओं से लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से साझा किए अपने अनुभव...

■ योजनाओं से मिले लाभ एवं उनके जीवन में आए बदलाव के बारे में बताया, मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जब सिलमा गांव में जनचौपाल में ग्रामीणों से संवाद कर रहे थे। तब विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा करते हुए, उनका आभार व्यक्त किया। हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ एवं उनके जीवन में आए बदलाव की कहानी सभी के समक्ष रखते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। लखपति दीदियों ने साझा किए अनुभव- जनचौपाल में लखपति दीदी महिमा एक्का ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वे बिहान स्वसहायता समूह से 2019 से जुड़ी हुई हूँ। मैंने समूह से 60 हजार का लोन लिया था, जिससे मैंने गांव में ही एक छोटा फूडकोर्ट शुरू किया, आज उस फूडकोर्ट के जरिए मैं अच्छी इनकम कर रही हूं। मेरी सालाना आय 2 से 2.5 लाख रुपए है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं लखपति दीदी संगीता तिर्की ने मुख्यमंत्री को बताया कि मैंने लोन ले के पोल्ट्री फार्म खोला है, 2 लाख रुपए तक वार्षिक आय हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसी तरह मेहनत करें आगे बढ़ें और करोड़पति बनें। अर्चना तिग्गा ने बताया कि उनके पास खेती के लिए भूमि थी, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। समूह से जुड़कर मैंने लोन लिया और सीजनल खेती करना शुरू किया। अभी एक एकड़ में मैंने खीरा लगाया है, जिससे अच्छी आमदनी हो रही है। महतारी वंदन योजना की राशि का उपयोग आत्मनिर्भर हुई महिलाओं ने बताई अपनी कहानी-मुख्यमंत्री श्री साय के चौपाल में महतारी वंदन से मिल रही सहायता पर ग्राम कुनकुरीकला की श्रीमती सनिता पैंकरा ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिली राशि का उपयोग बच्चों को पढ़ाने में लगाती हूं। साथ ही घर का राशन और साग-सब्जी के लिए भी मैं पैसों का उपयोग करती हूँ। पहले मुझे छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अपने पति से पैसे मांगने पड़ते थे, लेकिन अब महतारी वंदन योजना के कारण मुझे किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मैं अपनी मर्जी से इन पैसों का उपयोग कर सकती हूँ। इसके लिए मुख्यमंत्री को मैं हृदय से धन्यवाद देती हूं। वहीं हितग्राही सुनीता तिग्गा ने कहा कि मुझे महतारी वंदन योजना की राशि नियमित रूप से मिलती है। इन पैसों को इकट्ठा करके मैंने एक छोटी सी किराने की दुकान खोली है। पहले मैं बहुत परेशान थी, लेकिन अब दुकान की बचत से अपने घर-परिवार का खर्च चलाती हूं।

मंदिर में ये 6 चीजों का दान करना शुभ

क्या आपने सोचा है कि मंदिर में दिया गया छोटा सा दान भी आपकी लाइफ पर बड़ा असर डाल सकता है? ज्यादातर लोग मंदिर जाते हैं, पूजा करते हैं और प्रसाद चढ़ाकर लौट आते हैं, लेकिन कुछ ऐसी चीजें भी हैं जिन्हें अगर सही समझ के साथ दान किया जाए, तो लोग मानते हैं कि उससे जिंदगी में बदलाव महसूस हो सकता है। कुछ खास चीजें दान करने के बाद उनके काम बनने लगे, आर्थिक हालात सुधरे या घर का माहौल बेहतर हुआ. तो आखिर कौन सी हैं वो चीजें जिन्हें मंदिर में दान करना खास माना जाता है? चलिए आसान भाषा में समझते हैं।

मंदिर में दान की अहमियत क्या है? मंदिर में दान करना सिर्फ धार्मिक काम नहीं, बल्कि एक तरह से पॉजिटिव एनर्जी देने और पाने का जरिया माना जाता है। जब आप किसी जगह दिल से कुछ देते हैं, तो मन हल्का होता है और सोच में भी बदलाव आता है। यही वजह है कि लोग अलग-अलग चीजों का दान अपनी जरूरत या परेशानी के हिसाब से करते हैं।

1. कलश का दान-

घर में धन और मौके बढ़ने की मान्यता कहा जाता है कि अगर आप मंदिर में कलश दान करते हैं, तो इससे घर में बरकत बनी रहती है। कई लोग मानते हैं कि इससे नए मौके मिलते हैं और आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होती है। खासकर जब कोई नया काम शुरू कर रहे हों, तब ये दान करना शुभ माना जाता है।

2. लाल झंडा-

नाम और पहचान बढ़ाने से जुड़ा मंदिर में लाल झंडा चढ़ाना सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि इसे पहचान और शोहरत से जोड़कर देखा जाता है। कुछ लोग इसे घर या दुकान के सामने लगाते हैं और मानते हैं कि इससे उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ती है और लोग उन्हें ज्यादा नोटिस करने लगते हैं।

3. दीपक या दिया-

पितरों की शांति के लिए दीप दान को बहुत खास माना जाता है। मान्यता है कि अगर आप नियमित रूप से मंदिर में दिया दान करते हैं, तो इससे पितरों को शांति मिलती है। कई लोग बताते हैं कि ऐसा करने से घर में बेवजह के झगड़े और तनाव कम होते हैं।

4. माचिस का दान-

कर्ज और मंगल दोष से राहत यह सुनने में थोड़ा अलग लग सकता है, लेकिन कुछ मान्यताओं के अनुसार मंदिर में माचिस दान करने से कर्ज की परेशानी कम हो सकती है। इसे खराब मंगल की स्थिति को ठीक करने से भी जोड़ा जाता है। जिन लोगों पर कर्ज का दबाव होता है, वे इसे आजमाते हैं।

5. कपूर-

महिलाओं की सेहत से जुड़ा माना जाता है कपूर का इस्तेमाल पूजा में तो होता ही है, लेकिन इसका दान भी खास माना जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि इससे महिलाओं की सेहत से जुड़ी दिक्कतों, खासकर प्रेग्नेंसी या चाइल्ड बर्थ से जुड़ी परेशानियों में राहत मिल सकती है।

6. छत्र (छाता)-

आर्थिक स्थिरता के लिए मंदिर में छत्र दान करना भी शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में स्थिरता आती है। जो लोग बिजनेस या करियर में बार-बार उतार-चढ़ाव देख रहे होते हैं, वे इस दान को खास मानते हैं।

दान करते समय किन बातों का ध्यान रखें?

दान हमेशा दिल से करें, दिखावे के लिए नहीं। जो भी चीज दें, साफ-सुथरी और सम्मान के साथ दें। साथ ही, यह भी जरूरी है कि दान के पीछे आपकी भावना साफ हो, तभी उसका असर माना जाता है।

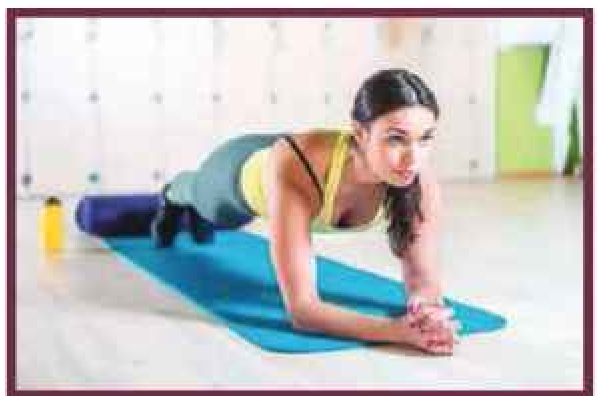

सही डाइट और एक्सरसाइज से शरीर स्वस्थ

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में खान-पान और लाइफस्टाइल में आए बदलावों ने सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को बढ़ा दिया है, जिनमें खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) भी एक बड़ी चिंता बनकर सामने आया है। जंक फूड, तली-भुनी चीजें, कम शारीरिक गतिविधि और बढ़ता तनाव इसके मुख्य कारण माने जाते हैं। सबसे खतरनाक बात ये है कि ये समस्या धीरे-धीरे शरीर में पनपती है और शुरुआती दौर में इसके लक्षण आसानी से समझ नहीं आते। कई लोग तब तक अनजान रहते हैं, जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए। यही वजह है कि इसे 'साइलेंट खतरा' कहा जाता है। अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो ये हृदय रोग, स्ट्रोक और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है, इसलिए समय पर सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

हर समय थकान रहना

अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी आपको लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है, तो ये सामान्य नहीं है। शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है, जिससे शरीर जल्दी थक जाता है।

सीने में दबाव या दर्द

छाती में हल्का दर्द, जकड़न या दबाव महसूस होना भी एक अहम संकेत हो सकता है। इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि ये दिल पर पड़ रहे असर का इशारा है।

सांस फूलना

थोड़ी सी दूरी चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर अगर सांस फूलने लगे, तो ये शरीर में ऑक्सीजन सप्लाई में रुकावट का संकेत हो सकता है, जो बढ़ते कोलेस्ट्रॉल से जुड़ा होता है।

हाथ-पैरों में झुनझुनी

अक्सर हाथ-पैरों में सुन्नपन या झुनझुनी होना भी एक संकेत हो सकता है। ये ब्लड फ्लो के सही तरीके से न होने की वजह से होता है।

त्वचा पर दिखने वाले संकेत

आंखों के आसपास या कोहनी के पास पीले धब्बे या चर्बी जमना भी खराब कोलेस्ट्रॉल की ओर इशारा करता है। ये बाहरी संकेत अंदर की समस्या को दर्शाते हैं।

कैसे करें बचाव?

खराब कोलेस्ट्रॉल से बचना मुश्किल नहीं है, बस कुछ आदतों को बदलने की जरूरत है। तली-भुनी और प्रोसेस्ड चीजों से दूरी बनाएं और अपनी डाइट में फल-सब्जियों को शामिल करें। रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज या वॉक करें। साथ ही, वजन को कंट्रोल में रखना, धूम्रपान और शराब से दूरी बनाना भी जरूरी है। समय-समय पर ब्लड टेस्ट करवाकर अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच करते रहना चाहिए, ताकि किसी भी खतरे को समय रहते टाला जा सके।

मुलायम और चमकदार हो जाएंगे आपके पैर

गर्मियों और धूल भरे इस मौसम में अधिकतर लोगों के पैर गंदे हो जाते हैं। पैरों की ड्राई स्किन और फटी एड़ियां पैरों की खूबसूरती को कम कर देते हैं। अक्सर लोग चेहरे का तो ध्यान रखते हैं लेकिन पैरों को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में आप बिना पार्लर जाए घर पर ही पैरों सो सॉफ्ट, मुलायम और चमकदार बना सकते हैं।

चावल के आटे की मदद से आप घर पर पेडिक्योर कर सकते हैं। आटा स्किन के लिए एक नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। चावल के आटे का इस्तेमाल करने से डेड स्किन हट जाती है। इससे स्किन मुलायम और चमकदार बनी रहती है। चावल के आटे में आप तेल, शहद और दूध मिला सकते हैं। आइए जानते हैं चावल के आटे से कैसे करें पेडिक्योर

पेडीक्योर कैसे करें

2 चम्मच चावल का आटा, 2 चम्मच कच्चा दूध, 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच नारियल तेल, गुनगुना पानी

कैसे करें पेडिक्योर

सबसे पहले एक टब में गुनगुना पानी लें। इसके बाद इस पानी में 10 से 15 मिनट तक पैर को भिगोकर रखें। इससे पैरों में जमी गंदगी ढीली हो जाती है। स्किन एकदम सॉफ्ट हो जाती है। इसके बाद एक बाउल में चावल का आटा, दूध, शहद और नारियल तेल डालकर एक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को पैरों में लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें। अब एड़ियों और उंगलियों के बीच की डेड स्किन को साफ करें। लगभग 5 से 10 मिनट तक पैरों की मसाज करें। इसके बाद पानी से अपने पैर धो लें।

नारियल तेल का इस्तेमाल

पैर धोने के बाद उन्हें अच्छे से सुखा लें। इसके बाद नारियल तेल लगाकर पैरों की मसाज करें। रात के समय पैरों में नारियल तेल लगाने के बाद मोजे पहनकर सो जाएं। सुबह तक आपके पैर मुलायम हो जाएंगे।

साड़ी या सूट के साथ कैरी करें इयरचेन

रॉयल और एथनिक लुक के लिए अब झुमका या चांदबाली काफी नहीं है। इन दिनों इयरचेन इयररिंग्स काफी ट्रेंड में हैं। इयरचेन इयररिंग्स को कैरी करने से रॉयल लुक मिलता है। इन इयररिंग्स को आप किसी भी मौके पर कैरी कर सकती हैं। इन दिनों एथनिक आउटफिट में हेवी ज्वेलरी बिल्कुल भी ट्रेंड में नहीं है। ऐसे में स्टनिंग और स्टाइलिश लुक के लिए इयरचेन इयररिंग्स को शामिल कर सकती हैं। इयरचेन इयररिंग्स को कैरी करने से रॉयल लुक मिलता है। आप साड़ी या सूट के साथ केवल इयरचेन इयररिंग्स कैरी कर लें। इससे आपको स्टनिंग लुक मिलेगा।

इयरचेन इयररिंग्स

इन दिनों डिफरेंट डिजाइन की इयरचेन ट्रेंड में है। आप स्टनिंग लुक के लिए बीड्स और पर्ल वाली इयरचेन पहन सकती हैं। हेवी इयरचेन डिजाइन में आपको रॉयल लुक मिलेगा। आप अपनी ड्रेस के मैचिंग कलर का इयररिंग्स भी खरीद सकती हैं। ओपन वेवी हेयर लाइन मेकअप और हेवी इयरचेन इयररिंग्स पहन आपका लुक कंप्लीट हो जाएगा। इयरचेन इयररिंग्स पहनने के बाद आपको मांग टीका और नेकलेस कैरी करने की कोई खास जरूरत नहीं पड़ेगी।

व्हाइट मोती

व्हाइट मोती इयरचेन इयररिंग्स को आप किसी भी आउटफिट के साथ कैरी कर सकती है। इस कलर के इयररिंग्स को आप साड़ी, सूट और किसी भी कलर के साथ कैरी कर सकती है। 1 इयररिंग्स आपके कई बार काम में आ सकता है। आप व्हाइट मोती इयररिंग्स को कभी लाल सूट तो कभी हरी रंग की साड़ी के साथ कैरी कर सकती है। मार्केट में आपको आसानी से इयरचेन इयररिंग्स मिल जाएंगे।

हेवी इयरचेन

मार्केट में कई तरह के इयरचेन इयररिंग्स मिलते हैं। अगर आप रॉयल और क्लासी लुक कैरी करना चाहती है तो आप हेवी इयरचेन इयररिंग्स कैरी करें। हेवी इयरचेन में ज्यादा क्लासी और रॉयल लुक मिलता है। अगर आप मार्केट या ऑन लाइन इयरचेन इयररिंग्स देख रही है तो आप हेवी डिजाइन की इयरचेन इयररिंग्स को खरीदने की कोशिश करें। हेवी इयरचेन इयररिंग्स कुछ महंगा पड़ सकता है, लेकिन इससे आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा।

गुलाब जल और चंदन लगाने से स्किन को मिलते हैं ये फायदे

गर्मियों के मौसम में स्किन डैमेज हो जाती हैं। तेज धूप की वजह से स्किन की रंगत डल हो जाती है। गर्मियों के मौसम में स्किन की रंगत को निखारने के लिए गुलाब जल और चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्मियों के मौसम में साफ, मुलायम और निखरी स्किन के लिए आप गुलाब जल और चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

दाग-धब्बे और कील-मुंहासे कम होना

चंदन और गुलाब जल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। चंदन और गुलाब जल को मिक्स करके स्किन पर लगाने से चेहरे पर ग्लो आता है। चेहरे के दाग-धब्बे हटाने के लिए आप चंदन और गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन में निखार

चंदन और गुलाब का जल मिश्रण स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। स्किन की रंगत निखारने और टैनिंग कम करने के लिए गुलाब जल और चंदन का पेस्ट बेहद फायदेमंद होता है। चंदन और गुलाब जल स्किन को गहराई से साफ करती है। मेलेनिन को कम करती है। रोजाना चंदन और गुलाब जल का इस्तेमाल करने से स्किन फ्रेश, टाइट और चमकदार बनी रहती है।

स्किन को ठंडक

गुलाब जल में चंदन का पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। ये पेस्ट सनबर्न, जलन और रेडनेस की समस्या को दूर कर सकता है। गर्मियों के मौसम में स्किन को ठंडक देने में गुलाब जल और चंदन का पेस्ट बेहद फायदेमंद होता है। यह मिश्रण स्किन को शांत करता है। सूजन को कम करता है। गुलाब जल और चंदन का पाउडर से स्किन रंगत एक जैसी हो जाती है।

ग्लोइंग स्किन

गुलाब जल और चंदन पाउडर को मिक्स करके स्किन पर लगाने से चेहरे का एक्स्ट्रा ऑयल हट जाता है। इससे स्किन मुलायम और चमकदार बन जाती है। गुलाब जल और चंदन पाउडर स्किन की फाइन लाइन्स को कम करने में मददगार है।

टेस्ट और सेहत के लिए बेस्ट हैं चुकंदर

चुकंदर हमारी हेल्थ के लिए बेस्ट माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, फोलेट, विटामिन C, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए जरूरी हैं। इसमें और भी कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बढ़ती भूख को कम करने के लिए जरूरी है। जिन भी लोगों को आयरन की कमी होती है। ये उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं होता है। इसमें आयरन, फोलेट, विटामिन C, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, इसको आप कभी भी आसानी से बनाकर खा सकते हैं। शरीर को अंदर से मजबूत बनाने के साथ-साथ आपको कई तरह से फायदे देता है। जिन भी लोगों को चुकंदर खाना बिल्कुल भी पसंद नहीं होता है उन लोगों के लिए ये बेस्ट हैं। अगर आप घर पर कुछ टेस्टी और हेल्दी सा बनाकर खाना चाहते हैं, तो आप चुकंदर से बनी कुछ टेस्टी और हेल्दी डिशेज को बनाकर खाना सकते हैं। ये डिशेज न सिर्फ आपके खाने का स्वाद को बढ़ाने बल्कि आपके टेस्ट में भी सुधार करती हैं। आइए आपको बताते हैंकौन सी डिशेज को आप बनाकर खा सकते हैं।

1. चुकंदर पराठा

अगर आप नाश्ते में कुछ टेस्टी और हेल्दी सी डिश को बनाकर खाना चाहते हैं, तो आप चुकंदर पराठा को बनाकर खा सकते हैं। ये आपकी हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसको एक बार खाने के बाद बार-बार आपका मन खाने का करेगा।

2. चुकंदर सूप

अगर आप नाश्ते में कुछ टेस्टी और हेल्दी सा बनाकर खाना चाहते हैं, तो आप चुकंदर सूप को बनाकर पी सकते हैं। ये काफी ज्यादा टेस्टी होता है और आप इसको कभी भी बनाकर पी सकते हैं। ये आपके शरीर में आयरन की कमी को दूर करता है और साथ में खून को भी बढ़ाता है।

3.चुकंदर टिक्की

चुकंदर टिक्की को भी आप घर पर बनाकर खाना चाहते हैं। ये खाने में काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को खाना काफी ज्यादा पसंद आएगा।

4. चुकंदर हलवा

नाश्ते में अगर आपको कुछ अलग सा खाने का मन है, तो आप चुकंदर हलवा को घर पर बना सकते हैं। ये बनाने में काफी ज्यादा आसान होता है और इसको बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता है। इसको बच्चों को खाना काफी ज्यादा पसंद होगा।

5. चुकंदर बेसन चिल्ला

घर पर आप नाश्ते में फटाफट से टेस्टी चुकंदर बेसन चिल्ला को बनाकर खा सकते है। ये खाने में काफी ज्यादा टेस्टी होता है और ये आपके लिए काफी ज्याजा हेल्दी होता है।

गर्मी का प्रहार और गिरता जलस्तर!

दुर्ग में शनिवार को पारा 41एष्ट तक जा पहुँचा, हालांकि शाम की बारिश ने राहत तो दी, लेकिन जल संकट की आहट अब भी बरकरार है। सूखती नदियाँ और सिमटते तालाब हमें आगाह कर रहे हैं—पानी की हर बूंद कीमती है। आइए, जल संवर्धन का संकल्प लें और पानी का दुरुपयोग रोकें.

दुर्ग भिलाई की जीवन दायिनी नदी शिवनाथ की एक तस्वीर

(फोटोः नाहीद शेख)

सावित्री बाई फुले महासंघ के राज्य इकाई का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नवाचारी शिक्षिका शीतल बैस बनी प्रदेश प्रवक्ता

बेमेतरा। सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला शिक्षक महासंघ (पंजीकृत), नई दिल्ली, के द्वारा संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य इकाई का गठन कर राज्य पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया गया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम राजधानी रायपुर के वृन्दावन हाल में गरिमामय ढंग से आयोजित किया गया है। इस प्रदेश स्तरीय संगठन में शासकीय प्राथमिक शाला मगरघटा विकासखंड नवागढ़ की नवाचारी शिक्षिका और 2026 के लिए राज्यपाल पुरस्कार के लिए नामांकित शिक्षिका शीतल बैस को प्रदेश प्रवक्ता बनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लक्ष्मी वर्मा राज्यसभा सांसद, अध्यक्षता महासंघ की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लता एस मुद्रू ने किया। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में स्वाति वर्मा सभापति संचार एवं सकर्म जिला पंचायत रायपुर, डॉ सारिका एस गंगा राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सहसचिव कल्पना बुलरेड्डी , अनसूया देवी पी एस , भाग्याम्मा, सिघोज कविता, राजश्री ए सज्जेश्वर, राष्ट्रीय संगठन सचिव प्रभावती एल, शांताबाई बिरादर, अतिथि वक्ता के रूप में नर्मदा प्रसाद मिश्र, डॉ मनीषा वत्स, विष्णुदत्त बघेल, रूचि वर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक लोकेश कुमार वर्मा उपस्थित हुए। राज्य इकाई के पदाधिकारियों को राष्ट्रीय सहसचिव राजश्री ए सज्जेश्वर के द्वारा पद व दायित्व का शपथ दिलाया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष भारती वर्मा, कोषाध्यक्ष नीलम वर्मा, उपाध्यक्ष सुमन जार्ज, सहसचिव सरोजनी देवी साहू, नीता यादव, प्रदेश प्रवक्ता के रूप में शीतल बैस, संगठन सचिव गीता साहू, अम्बिका वर्मा, संभाग अध्यक्षों के रूप में दीपी दीक्षित, श्वेता ठाकुर, संतोषी डड़सेना, भुनेश्वरी लहरे एवं सईदा खान ने शपथ लिया।

कार्यक्रम संयोजक लोकेश कुमार वर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष भारती वर्मा द्वारा सावित्रीबाई फुले पर लिखित पुस्तक प्रेरणा की ज्योति एवं संतोषी डड़सेना की काव्य संग्रह अनुभव के अंकुर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से आए सक्रिय एवं नवाचारी शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक व साहित्यिक जागरूकता, शिक्षा में नवाचारी पहल के लिए सम्मानित किया गया। रायपुर जिले की शिक्षिका ममता अहार के द्वारा सावित्री बाई फुले के जीवन पर केन्द्रित एकल नाटिका का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका अतुलनीय है। नारी अगर शिक्षिका हो तो राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देती है। आपके महासंघ के माध्यम से इस दिशा में किए जा रहे पहल की सराहना करते हुए, मैं आप सबको बधाई देती हूँ।

महासंघ की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लता एस मुद्रू ने कार्यक्रम में महासंघ के कार्यों और आगामी कार्य योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के शिक्षकों का उत्साह देखते हुए प्रसन्नता हो रही है। आप सभी ऊर्जा और उत्साह से भरे हुए है, हम निश्चित रूप से यहाँ पर सावित्रीबाई फुले के बताये आदर्शों को पालन करने में सफल हो पाएंगे। कार्यक्रम को अतिथि वक्ताओं के द्वारा संबोधित करते हुए सावित्री बाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

गणित में 4 विद्यार्थियों के 100 में 100 प्राप्तांक 12वीं एवं 10 वीं में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन

पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय स्कूल का परिणाम

डोंगरगांव नगर। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 10 वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम उत्कृष्ट आए है। अंग्रेजी माध्यम में 10वीं के 4 विद्यार्थियों को गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार 12 के विद्यार्थियों ने भी बेहतर अंक अर्जित किए हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी मुताबिक 12वीं अंग्रेजी माध्यम में विज्ञान संकाय से सृष्टि साहू ने 89.6 फीसदी अंक हासिल कर प्रथम, प्रेमलता ने 87.6 फीसदी अंक हासिल कर द्वितीय एवं नोविशा ठाकुर ने 87.4 फीसदी अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय से राजेंद्र कुमार ने 73.4 फीसदी अंक हासिल कर प्रथम, अंजली रामटेके एवं माही जैन ने 72.4 फीसदी अंक हासिल कर द्वितीय तथा अनुष्का वैष्णव ने 71.6 फीसदी अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हिंदी माध्यम में 12वीं विज्ञान संकाय से चांदनी ने 86.4 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, कोमलिका ने 86 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं गायत्री ने 75.4 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय से मीनाक्षी ने 86.4 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, गीतांजली ने 77.4 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं इंद्राणी ने 77.2 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कला संकाय से डोमेश्वरी ने 82 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, अंबिका ने 81.6 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं सोनिया ने 80.2 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी माध्यम में कक्षा दसवीं से प्रवीण कुमार साहू ने 93.83 फीसदी अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम, याना मानिक ने 93.66 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय एवं लोकश्वरी नेताम ने 93.16 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा दसवीं अंग्रेजी माध्यम के 4 विद्यार्थी प्रवीण साहू, रेशिका वर्मा, ओम गुप्ता एवं लोकेश्वरी नेताम ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक हासिल किया। कक्षा दसवीं हिंदी माध्यम से मनीषा साहू ने 93.66 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम, कौशल्या पटेल ने 91.5 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय एवं सभ्यता साहू ने 87.5 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संस्था के शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन सहित समिति के सदस्यगण, संस्था के प्राचार्य भरत लाल देवांगन, वरिष्ठ व्याख्याता राजेंद्र गणवीर, श्रीमती स्वाती वर्मा, तौफीक रजा एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी है।

रिद्धि ने 94.83 प्रतिशत अंक लेकर बढ़ाया समाज का मान

बेमेतरा। रिद्धि भुवाल पिता पदमराज सिंह भुवाल ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 94.83 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने परिवार के साथ-साथ पूरे राजपूत समाज का मान बढ़ाया।

रिद्धि ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल बेमेतरा की छात्र है, इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय ज्ञानोदय के प्राचार्य मैडम एवं शिक्षक परिवार तथा अपने दादाजी, माता-पिता को दिया। रिद्धि ने विज्ञान विषय में 100 अंकों में 100 अंक अर्जित की। आगे गणित संकाय में अध्ययन करना चाहती है और भविष्य में आईएएस की तैयारी करना उसका लक्ष्य है। इस उपलब्धि पर राजपूत क्षत्रिय समाज उप समिति बेमेतरा के अध्यक्ष राजेंद्र बनाफर, उपाध्यक्ष ऋषि सिंह, सचिव गोपाल सिंह, कार्यकारिणी सदस्य चंद्रशेखर सिंह एवं युवा अध्यक्ष चैतन्य सिंह ने घर आकर मिठाई खिलाकर बधाई दी।

अंधड़ से शॉर्ट सर्किट : दुर्ग के फिल्टर प्लांट में लगी भीषण आग

1000 बैग ब्लीचिंग पाउडर खाक

रविवार शाम तक बाधित रहेगी शहर की जलापूर्ति; महापौर और कमिश्नर ने लिया जायजा

दुर्ग। साइंस कॉलेज के सामने स्थित नगर निगम के 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। अचानक आए तेज अंधड़ के कारण हुए शॉर्ट सर्किट से फिल्टर प्लांट के ब्लीचिंग पाउडर स्टोर रूम में भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब 1,000 बैग ब्लीचिंग पाउडर जलकर खाक हो गया, जिससे निगम को 4 से 5 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। हादसे के कारण शहर के बड़े हिस्से में पेयजल व्यवस्था चरमरा गई है।

आधे घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार शाम करीब 4:30 बजे मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी चलने लगी। इसी दौरान फिल्टर प्लांट के पास स्थित बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसकी चिंगारी सीधे ब्लीचिंग पाउडर स्टोर तक जा पहुंची। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। प्लांट के कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे स्टोर में रखी करोड़ों की मशीनरी और अन्य उपकरण सुरक्षित बच गए।

महापौर और कमिश्नर ने किया मौका मुआयना- हादसे की सूचना मिलते ही महापौर अल्का बाघमार और निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने तत्काल फिल्टर प्लांट पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। महापौर ने जलकार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में पानी की कमी न होने दी जाए और वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों का उपयोग किया जाए। आयुक्त ने 42 एमएलडी और 24 एमएलडी प्लांट के सभी मोटर पंपों का तकनीकी परीक्षण करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

रविवार शाम तक सुधरेगी सप्लाई- जलापूर्ति बाधित होने से शहरवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जलकार्य विभाग की प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने बताया कि तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए अमला युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। ब्लीचिंग पाउडर की नई खेप की व्यवस्था की जा रही है। निगम प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि रविवार दोपहर तक मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा और शाम तक पूरे शहर में जलापूर्ति सामान्य हो जाएगी।

सुशासन तिहार सरकार का दिखावा, आम जनता एवं प्रशासनिक तंत्र को किया जा रहा है परेशान : छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित तथाकथित सुशासन तिहार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि यह कार्यक्रम पूरी तरह से दिखावे और प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है, जिसका वास्तविक सुशासन से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में, खासकर दोपहर के समय इस प्रकार के आयोजन कर आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलना पड़ रहा है। आशीष छाबड़ा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके मूल कार्यालयीन कार्यों से हटाकर इस प्रकार के आयोजनों में लगाया जा रहा है, जिससे शासकीय कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। कई महत्वपूर्ण विभागों में अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यालयों में उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण आम जनता के जरूरी कार्य लंबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को प्रमाण पत्र, राजस्व संबंधित कार्य, पेंशन, राशन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर कोई समाधान नहीं मिल पा रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सेवा नहीं, बल्कि केवल दिखावटी कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी छवि चमकाना है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए छाबड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार यह स्पष्ट करे कि पूर्व में आयोजित सुशासन तिहार में कुल कितने आवेदन प्राप्त हुए थे और उनमें से कितनों का वास्तविक निराकरण किया गया। इन आंकड़ों को सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

श्रद्धांजलि

कितना निर्दयी है तू...

कभी-कभी तू भी कितना निर्दयी हो जाता है,
एक माँ के आँचल से उसका बेटा छीन ले जाता है।

उस पल को सोचकर हर रूह काँप जाती है,
सब पूजते हैं तुझको तू भगवान है या पापी है?

कितने खुश रहे होंगे , जब घर से निकले होंगे,
यात्रा मंगलमय हो – तेरा नाम लिए होंगे।

फिर भी न रहम खाया उस ममतामयी माँ पर,
जिगर का टुकड़ा जो लिपटा रहा उसके ही तन पर।

मुझे मौत दे दे... वो छटपटाकर चिल्लाई होगी,
मेरे बेटे को बख्श दे... तुझसे गुहार लगाई होगी।

पर तू तो ठहरा ज़ालिम, बनता है जग का स्वामी,
क्या कसूर था उस मासूम का, जो डूबा पानी में?

किसी दुश्मन के जीवन में,कभी ये दिन ना आए,
बेटा मौत की आगोश मे हो, और माँ रहे सीने से लिपटाए।

श्रद्धांजलि संग
डॉ. अरुण मिश्रा (अकेला)

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों पर किया विरोध

गलियों में घूमकर जनता को बताया भाजपा सरकार की 'जनविरोधी' नीतियां

दुर्ग। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफमोर्चा खोल दिया है। रविवार शाम दुर्ग के चंडी चौक में जिला कांग्रेस कमेटी (शहर, ग्रामीण और भिलाई) के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया।

बाजारों और गलियों में उतरे कांग्रेसी- धरना प्रदर्शन के बाद कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता केवल मंच तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे दुर्ग शहर की गलियों और मुख्य बाजारों में भी उतरे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथ में तख्तियां लेकर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेताओं ने सीधे आम जनता से संवाद किया और बताया कि कैसे बढ़ती महंगाई उनकी रसोई का बजट बिगाड़ रही है।

रसोई पर सीधा हमला- कांग्रेस नेताओं ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आम आदमी त्रस्त है। रसोई गैस की कीमतों में हुई हालिया बढ़ोतरी ने मध्यम और गरीब वर्ग की कमर तोड़ दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बढ़ती कीमतों पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन उग्र रूप लेगा और कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

न्याय अब और भी सुलभ : 5 मई को लॉन्च होगा eCourts App का नया वर्जन 4.0

यूजर्स को 4 मई तक डेटा बैकअप लेने की सलाह

नई दिल्ली/दुर्ग। न्यायिक सेवाओं को डिजिटल रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में उच्चतम न्यायालय की ई-कमेटी (eCommittee) ने बड़ा कदम उठाया है। eCourts Services मोबाइल एप को अब नए और आधुनिक स्वरूप Version 4.0 में अपडेट किया जा रहा है। यह नया वर्जन 5 मई 2026 से लाइव हो जाएगा।

क्या होगा खास Version 4.0 में? - नए अपडेट के बाद एप की स्पीड पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। इसमें एक नया इंटरफेस दिया गया है, जिससे मोबाइल को एक हाथ से चलाना आसान होगा। प्रमुख सुविधाओं में सीधे केस स्टेटस स्क्रीन से आदेशों (Order) की PDF डाउनलोड करना, पुराने और नए केस नंबर को एक साथ ट्रैक करना और भुवन मैप्स (BHUVAN Maps) के जरिए कोर्ट परिसर ढूँढना शामिल है। साथ ही ePay और eFiling जैसी सेवाएं भी अब एक ही स्थान पर मिलेंगी।

उपयोगकर्ताओं के लिए जरूरी चेतावनी- डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एप का उपयोग करने वाले वकीलों और आम नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे 4 मई 2026 तक वर्तमान एप के 'Export' फीचर का उपयोग कर अपने सेव किए गए केस डेटा का बैकअप ले लें। ऐसा न करने पर अपडेट के बाद सुरक्षित किया गया पिछला डेटा नष्ट हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com